राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 14 अक्टूबर 2025 वर्ष-8,अंक-235 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

'वोट चोरी' के आरोपों की जांच के लिए नहीं बनेगी एसआईटी.....सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और सांसद राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों की जांच के लिए दायर याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में कांग्रेस नेता के बयानों की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की मांग की गई थी। यह जनहित याचिका (पीआईएल) अधिवक्ता रोहित पांडे ने दाखिल की थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया गया था कि वे पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी द्वारा लगाए गए 'वोट चोरी' के आरोपों की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का निर्देश दें। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की दो सदस्यीय बेंच ने सुनवाई से इंकार कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के पास जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा, इसतरह के मामलों में जांच का अधिकार निर्वाचन आयोग के पास है। आप वहां जाकर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के साथ ही राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर एसआईटी जांच की मांग अब खत्म हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि चुनाव प्रक्रिया या परिणामों से जुड़ी शिकायतों की जांच का अधिकार केवल निर्वाचन आयोग को है, न्यायपालिका का इसमें सीधा हस्तक्षेप नहीं हो सकता। अदालत ने याचिकाकर्ता की दलीलों को सुनने के बाद कहा कि जनहित याचिका का मामले में कोई औचित्य नहीं बनता और इस मामले को खारिज किया जाता है।

शारदा चिटफंड घोटाला: आईपीएस राजीव से 6 साल तक क्यों नहीं हुई पूछताछ?

सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल की दलीलें सुनने के बाद 17 तक टाली सुनवाई

नई दिल्ली करोड़ों रुपए के शारदा चिटफंड घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी राजीव कुमार को दी अग्रिम जमानत को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर इस हफ्ते में सुनवाई करेगा। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने सोमवार को सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनी और मामले की अगली सुनवाई 17 अक्टूबर तक टाल दी। सॉलिसिटर ने दलील दी कि जांच एजेंसी की याचिका को अन्य लंबित याचिकाओं के साथ सूचीबद्ध किया जाए, जिसमें पूरे मामले की व्यापक समझ और विचार के लिए अवमानना याचिका भी शामिल है। पीठ ने सीबीआई की याचिका को अन्य लंबित मामलों के साथ शुक्रवार के लिए सूचीबद्ध कर दिया। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी राजीव को 1 अक्टूबर, 2019 को अग्रिम ज़मानत दी गई थी और उनके वकील के मुताबिक पिछले छह सालों में सीबीआई ने उन्हें एक बार भी पूछताछ के लिए नहीं बुलाया। सीजेआई ने कहा कि हमें इस मामले को लंबित क्यों रखना चाहिए? आपने इतने सालों में कुछ नहीं किया। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि इस मामले में एक वरिष्ठ सीबीआई अधिकारी के आवास को गुंडों ने घेर लिया और उन्हें कोलकाता में अपने परिवार के सदस्यों की सलामती के लिए मदद की गुहार लगानी पड़ी थी। सॉलिसिटर ने अनुरोध किया कि दिवाली की छुट्टियों के बाद अन्य याचिकाओं पर भी एक साथ विचार किया जाए। जनवरी 2019 में, केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच अभूतपूर्व गतिरोध तब पैदा हो गया था जब सीबीआई की एक टीम राजीव कुमार से पूछताछ के लिए उनके आधिकारिक आवास पर पहुची थी, लेकिन स्थानीय पुलिस द्वारा उनके अधिकारियों को हिरासत में लिए जाने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा। सीएम ममता बनर्जी कुमार के बचाव में आगे आईं और केंद्र के इस कदम के खिलाफ धरना किया था।

शिवपाल का वाराणसी दौरा: आजम खां के आने से सपा को बहुत ताकत मिली

लखनउ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने वाराणसी दौरे के दौरान योगी सरकार पर जमकर हमलावार दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसी भी सरकारी कार्यालय में बिना रिश्वत के कोई काम नहीं हो रहा है। अधिकारी, नेता और मंत्री आकंठ भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। उनका कहना है कि लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह से ध्वस्त है और स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं (कहीं डॉक्टर हैं, दवाएं नहीं और जहां दवाएं हैं वहां डॉक्टर नहीं)। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की योगी सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया और जनता को अच्छे दिन देखने को नहीं मिले। उन्होंने कहा कि प्रदेश को कानून से नहीं, बल्कि बुलडोजर से डराकर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजम खां समाजवादी पार्टी की ताकत रहे हैं और सीनियर लीडर हैं। उनके जेल से आने के बाद पार्टी को मजबूती मिलनी थी और मिली है। उन्होंने मायावती की महारैली पर चुटकी लेकर कहा कि वे भाजपा के इशारे पर चल रही हैं। वहीं से सब मैनेज हो रहा है। शिवपाल यादव बिरहा मुकाबले में मुख्य अतिथि के तौर पर वाराणसी पहुंचे थे, जिसे उन्होंने गंगा जमुनी तहजीब का शहर बताया।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने किया 'नव विधानः न्याय की नई पहचान' प्रदर्शनी का उद्घाटन

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश श्री संजीव प्रकाश शर्मा रहे उपस्थित – लाइव डेमो के माध्यम से मिलेगी नए आपराधिक कानूनों की जानकारी

जयपुर

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने सोमवार को जेईसीसी सीतापुरा में नए आपराधिक कानूनों पर आधारित भव्य प्रदर्शनी 'नव विधानः न्याय की नई पहचान' का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रदर्शनी का गहनता से अवलोकन कर पूरी प्रक्रिया का लाइव डेमो देखा और इसकी सराहना की। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश श्री संजीव प्रकाश शर्मा भी उपस्थित रहे। इस प्रदर्शनी में न्यायिक प्रक्रिया को 3 चरणों के अन्तर्गत 10 जोन और मॉडल में लाइव डेमो के माध्यम से दिखाया गया है, जिससे आगंतुकों को अपराध की सूचना से लेकर अंतिम न्यायिक निर्णय तक की जानकारी विस्तृत रूप से उपलब्ध हो रही है। प्रदर्शनी का अवलोकन कर कोई भी व्यक्ति आसानी से समझ सकता है कि नए कानूनों से न्याय प्रक्रिया कैसे त्वरित, सरल, सुलभ और पारदर्शी हुई है तथा प्रत्येक स्तर पर संबंधित विभाग कैसे कार्य करते हैं।

प्रदर्शनी के प्रथम चरण में शिकायत और जांच की प्रक्रिया को दर्शाया गया है, जिसके अन्तर्गत कंट्रोल रूम, सीन ऑफ क्राइम और पुलिस स्टेशन के मॉडल शामिल हैं। वैज्ञानिक और कानूनी सत्यापन के दूसरे चरण में हॉस्पिटल, एफ.एस.एल. और पब्लिक प्रॉसिक्यूशन ऑफिस की कार्यप्रणाली को प्रदर्शित किया गया है। वहीं तीसरे चरण में डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, प्रिजन और हाई कोर्ट के साथ नए आपराधिक कानूनों का संक्षिप्त विवरण शामिल है। इस प्रदर्शनी का ले-आउट 'न्याय प्रथम' के सिद्धांत पर केंद्रित है।

प्रदर्शनी में नवीन कानूनों के अंतर्गत किये गए प्रावधानों से आपराधिक न्याय प्रणाली में हुए सकारात्मक परिवर्तनों के बारे में रोचक तरीके से समझाया गया है। इसमें अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई, पीड़ित केंद्रित प्रावधान, त्वरित न्याय, प्रौद्योगिकी का उपयोग, ई-साक्ष्य, ई-सम्मन, ई-प्रोसिक्यूशन, साइबर अपराध नियंत्रण, औपनिवेशिक कानूनों का अंत आदि बिन्दु शामिल किये गए हैं। राज्य में नवीन कानूनों के अंतर्गत की जा रही कार्यवाही और प्रगति के साथ ही सफलता की कहानियों को भी इसमें प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में दर्शाया गया है कि नवीन कानूनों में तकनीक के उपयोग का व्यापक समावेश किए जाने से समय और श्रम की बचत हो रही है, प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण होने से त्वरित न्याय

सुलभ हो रहा है तथा अपराधियों के लिए भी सुधारात्मक प्रावधान किए जाने से उन्हें फिर से मुख्यधारा में आने का अवसर मिल रहा है।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने इससे पूर्व एफ.एस.एल. के 56 वाहनों और महिला सुरक्षा पेट्रोलिंग के लिए 100 स्कूटी एवं मोटरसाइकिलों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना भी किया। इस अवसर पर विधि मंत्री श्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत और पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जहरीले कफ सिरप मामले में श्रीसन फार्मा से जुड़े चेन्नई के 7 ठिकानों पर ईडी का छापा

चेन्नई

हाल ही में जहरीले कफ सिरप से करीब दो दर्जन बच्चों की जान चली गई। इन दवाओं को बनाने में नियमों का पालन नहीं हो रहा था। लेकिन कोई अफसर जांचने नहीं गया। बताया जा रहा है कि घोर लापरवाही के चलते सब कुछ कागजों पर ऑल इज वेल की कहानी चलती रही। कुछ इसी तरह की जानकारियां उस वक्त सामने आईं जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत श्रीसन फार्मा और तमिलनाडु ड्रग नियंत्रण विभाग के शीर्ष अधिकारियों से जुड़े चेन्नई स्थित सात ठिकानों पर छापेमारी की। बता दें कि जो दवा जीवन बचाती है, उसने बच्चों को मौत दी। इस मामले ने देशभर में आक्रोश पैदा कर दिया है। वहीं, नियामक निगरानी और गुणवत्ता नियंत्रण में भी गंभीर खामियों को उजागर किया है। छापेमारी कोल्ड्रिफ कफ सिरप मामले के सिलसिले में की गई है, जिसके कारण मध्य प्रदेश में 20 से अधिक बच्चों की किडनी फेल होने से मौत हो गई थी। ईडी अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी तमिलनाडु के वरिष्ठ ड्रग नियंत्रण अधिकारियों के आवासों

और जहरीले सिरप की निर्माता कंपनी श्रीसन फार्मा से जुड़े परिसरों पर की गई। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने कंपनी और तमिलनाडु खाद्य एवं औषधि प्रशासन दोनों द्वारा कई उल्लंघन पाए। खराब बुनियादी ढांचे और बार-बार सुरक्षा उल्लंघनों के बावजूद, श्रीसन 2011 में लाइसेंस प्राप्त करने के बाद से बेरोकटोक काम करती रही।

कनाडाई विदेश मंत्री अनीता आनंद ने पीएम मोदी से मुलाकात की

नई दिल्ली

कनाडा और भारत के बीच रिश्तों में जमी बर्फ अब पिघलनी शुरु हो गई है। कनाडा की विदेश मंत्री भारत के दौरे पर हैं। कनाडाई विदेश मंत्री अनीता आनंद ने सोमवार को पीएम मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी ने खुद मुलाकात की तस्वीरों को अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया। इसके साथ ही पीएम मोदी ने कनाडाई मंत्री आनंद के साथ हुई चर्चा को लेकर जानकारी दी।

पीएम मोदी ने लिखा, कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद का स्वागत किया। आपसी विकास और समृद्धि के लिए व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, कृषि और लोगों के बीच आदान-प्रदान में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की गई। इसके पहले, कनाडाई

विदेश मंत्री ने एस जयशंकर के साथ बैठक की। बैठक के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत और कनाडा के बीच संबंध बीते कुछ महीनों में लगातार आगे बढ़ रहे हैं और दोनों देश साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक तंत्र को बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं। कनाडा की पूर्व ट्रूडो सरकार के कार्यकाल में भारत के साथ तनाव बढ़ गए थे। हालांकि, मार्क कार्नी के शासन में दोनों देशों के बीच संबंध में सुधार देखने को मिल रहा है। कनाडाई विदेश मंत्री अनीता आनंद का ये पहला भारत दौरा है।

तालिबान ने जम्मू कश्मीर को बताया भारत का अभिन्न अंग, पाक भड़का

काबुल पर कर दी एयर स्ट्राइक, अफगानी सेना ने भी दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी का भारत दौरा पाकिस्तान को रास नहीं आया। वहीं अब जम्मू कश्मीर पर अफगान सरकार की नीति ने दुश्मन देश को और भड़का दिया है। तालिबान के नेतृत्व वाली अफगान सरकार ने जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया है। यह सुनकर पाकिस्तान बौखला गया और काबुल पर एयर स्ट्राइक कर दी।

अफगानी सेना ने भी पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया और पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दे डाली। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आमिर खान मुत्ताकी ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि अफगानिस्तान अपनी सीमा और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करेगा।

यही वजह है कि हमने पाकिस्तान के हमले का तुरंत जवाब दिया। हमारी सेना ने रात भर में अपने लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। कतर और सऊदी अरब ने संघर्ष खत्म करने की अपील की है, इसलिए हमने अपनी तरफ से लड़ाई रोक दी है। अभी स्थिति नियंत्रण में है। हम सिर्फ अच्छे संबंध और शांति चाहते हैं। अफगानिस्तान अब आजाद है और शांति के लिए काम कर रहा है लेकिन पाकिस्तान यह नहीं चाहता है। ऐसे में अफगानिस्तान के पास और भी विकल्प मौजूद हैं।

बता दें भारत दौरे पर अफगान के विदेश मंत्री मुत्ताकी ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी। दोनों देशों ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा बयान दिया, जिसमें जम्मू कश्मीर को भारत का हिस्सा बताया।

इस बैठक में भारत-अफगानिस्तान को पड़ोसी देश कहा गया था, क्योंकि अफगानिस्तान की सीमा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से लगती है। अफगानिस्तान के इस रुख पर पाकिस्तान आगबबूला हो गया और पाक सरकार ने अफगानिस्तान के राजदूत को समन भेज दिया। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कहा कि तालिबान कश्मीरी लोगों के बारे में नहीं सोच रहा है। यह न सिर्फ इतिहास बल्कि उम्माह के साथ भी अन्याय है।

गाजा में लौटी खुशहाली- हमास ने 7 बंधक छोड़े, इजराइल में हुआ जश्न, 13 और रिहा होंगे

गाजा

लंबे समय बाद गाजा में खुशहाली लौटती नजर आ रही है। यहां हमास ने 7 इजराइली बंधकों को रिहा कर दिया है और 13 को जल्द रिहा करने की बात कही है। हमास ने इनके नाम भी जारी कर दिए हैं। बंधकों की रिहाई को लेकर इजराइल में जश्न जारी है। रविवार रात से इजराइली नागरिक राजधानी तेल अवीव में जुटे हुए हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी इजराइल पहुंचे हैं। खुद बेंजामिन नेतन्याहू उन्हें रिसीव करने बेन गुरियन एयरपोर्ट पहुंचे।

इजराइली सेना ने कहा कि सातों बंधक इजराइल पहुंच चुके हैं। उनके परिवारों से मिलाने के लिए दक्षिणी इजराइल स्थित सैन्य

अड्डे पर भेजा जाएगा। इसके बाद उन्हें हेलिकॉप्टर से इजराइली अस्पतालों में ले जाया जाएगा।वहीं इजराइली पीएम नेतन्याहू ने हमास की कैद से रिहा हुए बंधकों के लिए लेटर लिखा है।

हिब्रू में लिखे गए इस लेटर में कहा गया है, इजराइल के पूरे लोगों की ओर से, आपका स्वागत है! हम आपका इंतजार कर रहे हैं। हम आपको गले लगाते हैं।

नेतन्याहू के ऑफिस ने इस पर्सनल नोट की तस्वीर शेयर की है। इसमें कहा गया है कि रिहाई के बाद दिए जाने वाले इस वेलकम किट में कपड़े, लैपटॉप, मोबाइल फोन और टैबलेट जैसी चीजें शामिल हैं।

लालू, राबड़ी और तेजस्वी पर आईआरसीटीसी घोटाले में कोर्ट ने तय किए आरोप

अब चलेगा केस और नियमित होगी सुनवाई

नई दिल्ली

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। दरअसल आज सोमवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित विशेष सीबीआई अदालत ने आईआरसीटीसी घोटाले और लैंड फॉर जॉब केस में तीनों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। अदालत ने कहा कि टेंडर प्रक्रिया में जानबूझकर बदलाव कराया गया था, जिससे घोटाला संभव हुआ।

विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने की अदालत ने माना कि लालू यादव ने केंद्रीय रेल मंत्री के पद पर रहते हुए पद का दुरुपयोग किया। कोर्ट ने कहा कि लालू यादव की जानकारी और मंजूरी से टेंडर प्रक्रिया में बदलाव किया गया और इसके बदले जमीन का सौदा राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव के नाम पर कराया गया। अदालत ने साजिश, पद के दुरुपयोग, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं।

सुनवाई के दौरान जब कोर्ट ने लालू यादव से पूछा कि क्या वे आरोप स्वीकार करते हैं, तो उन्होंने कहा, मैं निर्दोष हूं। राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव ने भी यही जवाब दिया। तीनों आरोपी व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश हुए, जिसमें लालू यादव व्हीलचेयर पर कोर्ट पहुंचे थे। आईआरसीटीसी घोटाले में आरोप तय होने के बाद अब मामले की नियमित सुनवाई शुरू होगी।

सीबीआई ने इस मामले में आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश), 420 (धोखाधड़ी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत चार्जशीट दाखिल की थी। आरोप है कि लालू यादव के रेल मंत्री रहते रांची और पुरी स्थित बीएनआर होटल्स के टेंडर में अनियमितताएं की गईं और इसके एवज में

पटना में कीमती जमीनें उनके परिवार के नाम पर ट्रांसफर कराई गईं। गौरतलब है कि अदालत ने 25 अगस्त को आरोप तय करने का फैसला सुरक्षित रख लिया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विश्वास का वैश्विक सेतु और व्यापारिक समरसता का आधार

विश्व व्यापार संगठन ने पहले ही चेताया है कि ऐसी टैरिफ नीतियाँ वैश्विक व्यापार वृद्धि को घटा रही हैं और निवेशकों में अस्थिरता पैदा कर रही हैं। टैरिफ केवल कर या शुल्क नहीं होते, वे राष्ट्रों के बीच विश्वास का संकेत भी होते हैं। जब कोई देश बार-बार अपने आर्थिक हितों की आड़ में ऊँचे शुल्क लगाता है, तो अन्य राष्ट्र प्रतिकार के रूप में अपने दरवाज़े बंद करने लगते हैं। परिणाम यह होता है कि जो विश्व पहले एक साझा बाज़ार की ओर बढ़ रहा था, वह फिर से सीमाओं और अविश्वास की जंजीरों में बँधने लगता है। ऐसे में विश्व मानक दिवस यह सन्देश देता है कि दुनिया को जोड़ने का वास्तविक माध्यम व्यापारिक शुल्क नहीं बल्कि मानकीकरण है।

(लेखक- ललित गर्ग)

(विश्व मानक दिवस- 14 अक्टूबर, 2025)

विश्व मानक दिवस प्रत्येक वर्ष 14 अक्तूबर को मनाया जाता है। यह दिवस उस अदृश्य व्यवस्था का उत्सव है जो हमारे जीवन, उद्योग, व्यापार और सुरक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करती है। मानकीकरण केवल कोई तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विश्वसनीयता, सुरक्षा, पारदर्शिता और आपसी सहयोग की ऐसी बुनियाद है जो मानव जीवन की सहजता और स्थिरता का आधार बनती है। इस दिवस का उद्देश्य यह स्मरण कराना है कि किसी भी उत्पाद, सेवा या व्यवस्था की उपयोगिता तभी टिकाऊ और भरोसेमंद हो सकती है जब उसमें निर्धारित मानक और गुणवत्ता की कसौटी कायम हो। विश्व मानक दिवस उन हजारों विशेषज्ञों और कर्मयोगियों को सम्मान देने का भी अवसर है जो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बैठकर विश्व के हित में ऐसे मानक तय करते हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के निर्माण और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मानकीकरण की भूमिका पर ज़ोर देना है, जो सबके लिए समान हों, निष्पक्ष हों और मानवता की सुरक्षा और प्रगति के लिए हों।

यह दिवस 1946 में हुई पहली बैठक की याद में मनाया जाता है, जिसमें 25 देशों के प्रतिनिधि लंदन में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना के लिए एकत्र हुए थे, जो मानकीकरण पर अपने प्रयासों को केंद्रित करेगा। हालाँकि अगले वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन का गठन किया गया था, लेकिन पहला विश्व मानक दिवस 1970 में ही मनाया गया। विश्व मानक दिवस का उद्देश्य जनता को अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना है। अर्थात् स्वास्थ्य सेवा से लेकर तकनीक तक, लगभग हर क्षेत्र के उत्पादों और सेवाओं में सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता। 2025 की थीम 'सहयोग' है, जो प्रगति को संभव बनाने के लिए साझेदारी के महत्व को दर्शाती है। यह सहयोग की शक्ति और इस विश्वास का प्रमाण है कि हम अपने-अपने हिस्सों के योग से भी अधिक शक्तिशाली हैं। साथ मिलकर काम करके, हम लोगों को स्थिरता की चुनौतियों का सीधा सामना करने के लिए वास्तविक समाधानों से सशक्त बना रहे हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय मानक ब्यूरो ने इस वर्ष की थीम को 'सतत विकास लक्ष्य: लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी' के रूप रखा है। एक बेहतर विश्व निर्माण के लिए साझा दृष्टिकोण का विशेष महत्व है, इस दिवस को मनाने का लक्ष्य उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान देना और उपभोक्ताओं, नियामकों और उद्योग के बीच मानकीकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

आज जब वैश्वीकरण, तकनीकी तीव्रता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संकट और आपूर्ति श्रृंखला जैसी जटिल चुनौतियाँ सामने हैं, तब मानकीकरण का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। मानक ही वह भाषा हैं जिनसे विश्व के देश एक-दूसरे को समझ पाते हैं। जब कोई वस्तु या सेवा एक निश्चित मानक के अनुरूप होती है, तो उसे किसी भी देश में स्वीकार किया जा सकता है। इससे व्यापार सहज होता है, उपभोक्ता का भरोसा बढ़ता है और देशों के बीच परस्पर निर्भरता मजबूत होती है। यही कारण है कि मानकीकरण को विश्व व्यापार की आत्मा कहा जाता है। इससे केवल आर्थिक लाभ नहीं होता, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता, सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन को भी सुनिश्चित करता है।

विश्व मानक दिवस के इस सन्देश के विपरीत आज की राजनीति में कई बार ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जो विश्व व्यापार और आपसी सहयोग की भावना को कमजोर करते हैं। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अपनाई जा रही अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ नीति इसका उदाहरण है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा के नाम पर आयातित वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाकर एक प्रकार से व्यापार युद्ध का वातावरण बना दिया है। यह नीति केवल व्यापारिक हितों को नहीं बल्कि वैश्विक संतुलन को भी प्रभावित कर रही है। टैरिफ की यह दीवारें देशों के बीच अविश्वास बढ़ाती हैं, कीमतों में वृद्धि करती हैं और आपूर्ति श्रृंखला को असंतुलित करती हैं। आयातित वस्तुओं की लागत बढ़ने से उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ती है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गति धीमी पड़ जाती है।

विश्व व्यापार संगठन ने पहले ही चेताया है कि ऐसी टैरिफ नीतियाँ वैश्विक व्यापार वृद्धि को घटा रही हैं और निवेशकों में अस्थिरता पैदा कर रही हैं। टैरिफ केवल कर या शुल्क नहीं होते, वे राष्ट्रों के बीच विश्वास का संकेत भी होते हैं। जब कोई देश बार-बार अपने आर्थिक हितों की आड़ में ऊँचे शुल्क लगाता है, तो अन्य राष्ट्र प्रतिकार के रूप में अपने दरवाज़े बंद करने लगते हैं। परिणाम यह होता है कि जो विश्व पहले एक साझा बाज़ार की ओर बढ़ रहा था, वह फिर से सीमाओं और अविश्वास की जंजीरों में बँधने लगता है। ऐसे में विश्व मानक दिवस यह सन्देश देता है कि दुनिया को जोड़ने का वास्तविक माध्यम व्यापारिक शुल्क नहीं बल्कि मानकीकरण है। मानक देशों को एक साझा धरातल प्रदान करते हैं, जहाँ उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा का विश्वास इतना मजबूत होता है कि किसी अतिरिक्त शुल्क या रोक की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। मानकीकरण दरअसल विश्वास का पुल है जो सीमाओं के आर-पार लोगों, वस्तुओं और विचारों को जोड़ता है। जब एक देश दूसरे देश के मानकों को स्वीकार करता है, तो यह आपसी सम्मान और पारदर्शिता का प्रतीक होता है। इसी प्रक्रिया से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सरलता आती है, सुरक्षा और गुणवत्ता की गारंटी मिलती है और उपभोक्ता हित सुरक्षित रहते हैं। मानकीकरण की यह प्रक्रिया न केवल औद्योगिक या व्यापारिक है बल्कि यह मानवीय भी है। इसके मूल में समानता, निष्पक्षता और सहयोग की भावना निहित है। यह वह दर्शन है जो कहता है कि विश्व एक परिवार है और सबकी भलाई में ही अपनी भलाई है। अतः जब कोई राष्ट्र टैरिफ या प्रतिबंधों की दीवार खड़ी करता है, तो वह इस वैश्विक परिवार के बीच विभाजन की रेखा खींचता है। मानक उन रेखाओं को मिटाते हैं और संबंधों को जोड़ते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मानकीकरण केवल औद्योगिक मंच तक सीमित न रहे, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय नीति का भी आधार बने। विश्व के सभी देश मानकों के निर्धारण में समान भागीदारी करें ताकि कोई भी

राष्ट्र या कंपनी इस प्रक्रिया पर वर्चस्व न जमा सके। छोटे और विकासशील देशों को भी अंतरराष्ट्रीय मानक संस्थाओं में समान अवसर मिले ताकि वे अपने उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से वैश्विक व्यापार में समान रूप से शामिल हो सकें। इसके साथ ही प्रमाणन प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाना आवश्यक है ताकि छोटे उद्योग भी मानक के अनुरूप अपने उत्पादों को विश्व स्तर पर प्रस्तुत कर सकें। विश्व मानक दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मानवता की प्रगति केवल आर्थिक शक्ति में नहीं बल्कि उस सहयोग और विश्वास में है जो मानकीकरण के माध्यम से संभव होता है। अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ जैसी नीतियाँ क्षणिक राजनीतिक लाभ तो दे सकती हैं, पर वे विश्व के समन्वित विकास और आपसी विश्वास को नष्ट करती हैं। इसलिए आवश्यक है कि सभी राष्ट्र मानकीकरण की भावना को अपनाएँ और विश्व व्यापार को किसी प्रतिस्पर्धा या प्रतिशोध का माध्यम न बनाकर साझेदारी और साझा उन्नति का माध्यम बनाएँ।

मानकीकरण ही वह अदृश्य तंतु एवं बुनियादी आधार है जो दुनिया को एकजुट रखता है। यह न केवल उत्पादन और व्यापार में गुणवत्ता लाता है बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में विश्वसनीयता और सुरक्षा का भाव जगाता है। विश्व मानक दिवस इस विचार का प्रतीक है कि जब तक हम समान मानकों और साझा मूल्यों से नहीं जुड़ते, तब तक विश्व की एकता अधूरी है। इसलिए इस दिवस पर यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि हम ऐसी नीतियों से दूर रहें जो विभाजन उत्पन्न करें, और मानकीकरण की उस साझा राह पर चलें जो सबके लिए विश्वास, सुरक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। संपूर्ण मानक प्रणाली सहयोग पर आधारित है।

संपादकीय

बड़े उद्योगों की जवाबदेही

लगातार ग्लोबल वार्मिंग संकट से जूझती दुनिया में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर नियंत्रण की दिशा में भारत सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता जतायी है। केंद्र सरकार के गत सप्ताह की शुरुआत में अधिसूचित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता लक्ष्य नियम, भारत में औद्योगिक प्रदूषण और पर्यावरणीय क्षरण रोकने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम कहा जा रहा है। इन नियमों ने कार्बन-प्रधान उद्योगों के लिये देश के पहले कानूनी रूप से बाध्यकारी उत्सर्जन न्यूनतम करने के लक्ष्य निर्धारित किए हैं। ऐसे में, जो उत्पादन इकाइयां अपने निर्धारित लक्ष्य से कम कार्बन का उत्सर्जन करती हैं, वे व्यापार योग्य कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकती हैं। वहीं दूसरी ओर निर्धारित लक्ष्य से अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाली इकाइयों को भारतीय कार्बन बाजार से समतुल्य क्रेडिट खरीदना होगा या फिर जुर्माना देने को बाध्य होना होगा। दरअसल, एल्युमीनियम, सीमेंट, लुगदी एवं कागज आदि क्षेत्रों की 282 औद्योगिक इकाइयों को 2023-24 के आधार रेखा स्तर से अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि पहले अनुपालन चक्र में कुछ बड़ी कंपनियां शामिल हैं, जिसमें वेदांता, हिंडाल्को, नाल्को और बाल्को द्वारा संचालित एल्युमीनियम स्मेल्टर और अल्ट्राटेक, डालमिया, जे.के सीमेंट,श्री सीमेंट और एसीसी के स्वामित्व वाले बड़े सीमेंट संयत्र शामिल हैं। निश्चित रूप से केंद्र सरकार ने एक सख्त संदेश दिया है कि बड़े औद्योगिक घरानों को हरित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये अनुकरणीय उदाहरण पेश करना होगा। यदि ये ताकतवर बड़े घराने हरित लक्ष्यों की पूर्ति के लिये सार्थक पहल करते हैं तो आम लोगों को भी उससे प्रेरणा मिलेगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जक देश है। जिसमें चीन पहले और अमेरिका दूसरे स्थान पर है। निस्संदेह, नये नियम, जो उद्योगों को उत्सर्जन कम करने के लिये प्रोत्सहित करते हैं, उनके औद्योगिक प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार ऊर्जा दक्षता योजना पर आधारित हैं। जिसने ऊर्जा-बचत के लक्ष्य निर्धारित किए। वहीं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जिसे दंड लगाने और समयबद्ध निगरानी व वसूली का काम सौंपा गया है, को कानूनी ढांचे के अनुसार सख्ती से कार्य करने की आवश्यकता है। इस बाबत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बड़े औद्योगिक दिग्गजों के प्रतिरोध के लिये पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। यह बात उत्साहजनक है कि भारत ने इस वर्ष पहली छमाही में पहले से कहीं अधिक सौर और पवन ऊर्जा का उत्पादन किया। जबकि इस अवधि के दौरान भारत के बिजली क्षेत्र में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में साल-दर-साल आधार पर एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मानवीय गतिविधियों से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसों को जलवायु परिवर्तन का सबसे अहम कारक माना जाता है। हमारा देश, जिसने इस वर्ष ही जलवायु प्रभाव संबंधी आपदाओं की बाढ़ देखी है, को स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिये युद्ध स्तर पर प्रयास करना चाहिए। निस्संदेह, सतत विकास - जलवायु के प्रति संवेदनशीलता कार्बन-तटस्थ भविष्य की ओर बढ़ने के अनुरूप होना चाहिए।

मायावती की मेघा रैली में शक्ति प्रदर्शन से अखिलेश के उड़ गए होंश

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

लखनऊ में मायावती ने नौ साल बाद जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन किया।पांच लाख की जनमेदनी ने समाजवादी पार्टी को सोचने के लिए मजबूर कर दिया।हाथी की मस्त चाल से सियासत गरमा गई है।उत्तरप्रदेश के साथ बिहार में हलचल तेज हो गई है।उत्तरप्रदेश विधानसभा में मिली करारी शिकस्त के बाद करीब नौ साल के बाद यह पहली विशाल रैली निकालकर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की आवाज सुनकर कार्यकर्ता फुले नही समाए।उत्तरप्रदेश में हार का कारण का पता लगाने की जगह मायावती ने अनर्गल बयान दिया।परंतु मायावती को आत्ममंथन की आवश्यकता थी।मायावती की पार्टी बहुजन समाजवादी पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने विपक्षी पार्टियों पर आरोप लगा दिया था।लखनऊ में पार्टी सम्मेलन में पांच लाख की जनमेदनी देखकर मायावती ने कहा कि इनको बुलाया नही गया है।इतने लोग स्वयं चलकर अपनी मर्जी से पार्टी सम्मेलन का हिस्सा बने है। मायावती ने भाजपा और समाजवादी दोनो पर निशान साधते हुए बहुजन समाज एकता और राजनैतिक पुनरुत्थान का बिगुल फूंका।मायावती हर समय अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाहती है।मायावती की साख में उनकी पार्टी के पतन के साथ ही कमी महसूस की गई है।मायावती और बसपा की रणनीति का हिस्सा रहा है।दलितों को अपनी मुट्ठी में समझने वाली मायावती ने अपनी पार्टी का सिम्बोल हाथी का स्टेच्यू लखनऊ आदि शहरों में लगवा दिया था।मायावती की उड़ान मन्द पड़ गई है।अब मायावती की झोली खाली है।दलितों को बराबरी का सपना दिखाने वाली मुख्यमंत्री की कुर्सी पर पहुंचने वाली मायावती का मंसूबा प्रधानमंत्री बनने का था।मायावती का सपना तो पूरा नही हुआ,पर अब तक अपना अस्तित्व बचाने की चुनौती उसके सामने है। मायावती की हार का असली कारणों और मुद्दों को दरकिनार करके स्वर्ण और सतारूढ़ दल पर अनर्गल आरोप लगाकर राजनीति जमीन तैयार करना बसपा की रणनीति रही है।चार दशक पहले बहुजन समाजपार्टी जिन मुद्दों,नारो,रणनीति, सामाजिक समीकरण और सेना के सहारे संसदीय रणनीति में उतरी थी,आज भी उसी के सहारे खड़ी है।जबकि सच्चाई यह है कि चार दशक में देश और प्रदेश की राजनीति और समाज मे ढेर सारे परिवर्तन हो चुके है।लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, ओमप्रकाश चौटाला, मायावती आदि दर्जनभर नाम पीएम की पहली पंक्ति में थे।लेकिन मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी के विकास को देखकर ये नेता प्रधानमंत्री बनने का विचार छोड़ दिया।इन नेताओं ने कहा कि मोदी सुपर है।इनके जैसा कार्य हमसे नही हो सकता है।मायावती के सपने मोदी के बाद झूलते नजर आए।दलित और अति पिछड़े समाज में भी अधिक और शैक्षणिक उन्नति हुई है।लेकिन मायावती ने अपनी रणनीति में कोई ठोस बदलाव नहीं किया है।जो बदलाव किए है उसे महज सत्ता पाने तक सीमित रखा।पार्टी और संगठन के आंतरिक ढांचे में उन परिवर्तनों का कोई असर नही पड़ा।आज भी मायावती के मन मे विकास की कोई धारणा नही है।विपक्ष पर निशान साधते हुए कांशीराम के बनाये स्मारकों के रखरखाव पर विपक्ष को घेरती नजर आई।सपा ने स्मारकों और पार्कों की हालत खराब कर दी है।लेकिन भाजपा की तारीफ करते हुए कहा कि इनकी सरकार ने मरम्मत कराई ।उपस्थित कार्यकर्ताओ को नसीहत देते हुए कहा कि भाजपा,समाजवादी ,कांग्रेस सभी जातिवादी सोच की पार्टियां है और इनसे संभल कर रहने की चेतावनी दी।मायावती ने कहा कि ये दल संकीर्ण सोच वाले है।मायावती ने एकाधिकार बनाये रखने के लिए ढेर सारे नेताओ को पार्टी से बाहर कर दिया।कुछ खुद चले गए थे।डीएसफोर के जमाने मे नेताओ को बाहर का रास्ता बता दिया।विकास का कोई मुद्दा इनके मन में नही है।नेताओ के जाने के बाद बहुजन समाजवादी पार्टी को वैचारिक और सांगठनिक स्तर भारी कीमत चुकानी पड़ी थीं।जिसके बाद राजनीतिक चाल चलते हुए मायावती ने बहुजन के स्थान पर सर्वजन का नारा दिया।उस दौर में लोगो के पक्ष की बात करदेते थे तो मतदाता पार्टी से अनायास जुड़ जाते थे।निरक्षर समाज और गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले गरीब लोग दो कीलो चावल और दो लीटर केरोसिन पर वोट देने के लिए और पार्टी का प्रचार के लिए तैयार हो जाते थे।आज शिक्षित समाज किसी भी मुद्दे पर सौ बार विचार करता है।आज किसी को बेवकूफ बनाना टेडी खीर है।अब सर्वजन कौन कहे बहुजन भी मायावती से पीछा छुड़ाता दिख रहा है।2012 में मायावती को विपक्ष की भूमिका दी थी।पांच वर्ष तक मायावती विपक्ष की भूमिका निभाने के बजाय सत्ता के इंतजार में गंवा दिया।जबकि अखिलेश कुमार की सरकार में प्रदेश की जनता को दंगो की आग का सामना करना पड़ा।जबकि मायावती मौन साधे बैठी रही।इस बार मायावती का भाषण सुनने लोग सभा मे एकत्रित तो हुए है लेकिन आज भी विकास की कोई बात या दलित गरीबो के उत्थान का मापदंड मायावती के मन मे नही है।2012 में जनता ने विपक्ष की भूमिका निभाने लायक नहीं रखा। मायावती के हार के अनेक कारण है।लेकिन मायावती फूली नही समा रही है।मजूबत वोट बैंक के अभाव में दलित मतों में बिखराव और अपने आधार वोट को मजबूत करने के बजाय मायावती ने पुराने दांव ही अपनाए है।वर्तमान आईआईटी का जमाना है।मायावती को अपने विचार अपनी सोच और टेक्नोलॉजी पर गहन विचार कर मतदाताओ के दिल मे जगह बनाने की कोशिश करनी चाहिए।

2007 में मायावती ने विधानसभा चुनाव के पहले बसपा ने अति पिछड़ा,दलित के साथ मुसलमान और ब्राह्मण वर्ग को अपने साथ जोड़ने के लिए सामाजिक भाईचारा कार्यक्रम शुरू किया।यह जवाबदारी सतीश चंद्र मिश्र और नसीमुद्दीन को सौंपी गई।जिसके मद्देनजर एक मजबूत आधार तैयार हुआ। सूबे की राजनीति से माफिया उन्मूलन और कानून का राज स्थापित करने का वादा किया।जिसका फायदा उस समय चुनाव में मिला।और मायावती पूर्ण बहुमत से मुख्यमंत्री बनी।लेकिन 2017 में अपने मुद्दों और मजबूत आधार नही दे पाई।90के दशक में मुलायमसिंह यादव और बहुजन पार्टी का यूपी की राजनीति में वर्चस्व स्थापित होना शुरू हो गया था।मायावती बहनजी के पार्टी की साख पूरे भारत मे थी।मायावती की पार्टी अन्य राज्यो में भी चुनाव लड़ती थी।लेकिन धीरे धीरे जातीय संगठन को चुनाव तक ही सीमित रखा और पार्टी की बढ़ती साख पर ग्रहण लगने लगा।नेताओ को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नही दी जाती थी।शुरुआती दौर में सवर्णों के इतर दलित और पिछड़े वर्ग के काडरों के संगठन को महत्वपूर्ण पद पर रखा।अति पिछड़ा वर्ग के ढेर सारे नेता पार्टी का चेहरा हुआ करते थे।

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलत- इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलत- वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का।

श्रद्धा मूलत- सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्विक कार्यो से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्विक नहीं होते। शुद्ध सत्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं।

अत- किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

विचार मंथन

एआई की लहर में खत्म होती नौकरियां, तकनीक वरदान या विनाश?

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तेज़ रफ्तार ने टेक उद्योग की तस्वीर ही बदल कर रख दी है। बड़ी आईटी कंपनियाँ अब ऐसे दौर में पहुँच चुकी हैं, जहाँ मशीनें इंसानों से कहीं ज़्यादा तेज़, सटीक और सस्ती साबित हो रही हैं। जो प्रोजेक्ट पहले किसी इंजीनियर को दो साल पूरे करने में लगते थे, अब एआई से उन्हें महज़ 20-30 दिनों में पूरा हो रहे हैं। कंपनियों के लिए यह तकनीकी एक क्रांति की तरह है। यह एक वरदान भी है, जो सोचते हैं उसे कुछ ही समय में पूरा कर लेते हैं। उत्पादकता बढ़ी है, लागत घट गई है। मानव संसाधन जिसमें इंजीनियरों और कर्मचारियों की एक बड़ी फौज काम करती थी, उनके लिए यह बदलाव किसी डरावने सपने के साकार होने की तरह है। अमेरिका में इसका असर दिखना शुरू हो गया है। अमेरिका की दिग्गज कंपनियाँ मानव संसाधन का फरी-स्ट्रक्चरिंगफ कर फएआई एडॉप्शनफ के नाम पर कर्मचारियों से इस्तीफा लेकर उन्हें नौकरी से हटा रही हैं। जिनकी सेवा अवधि 10 साल से कम है। उन्हें तीन महीने का वेतन देकर बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। वहीं, पुराने कर्मचारियों को 18 महीने का वेतन देकर बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। यह एक तरह की गुपचुप छंटनी है। जिसमें कंपनियाँ 'टर्मिनेशन' शब्द से बचते हुए बदलाव का नाम देकर हजारों नौकरियाँ को खत्म कर रही हैं। इससे अमेरिका जैसे देश में जहां एच-1वीजा लेकर जो लाखों लोग काम कर रहे हैं, उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से वीजा पर शुल्क लगा रहे हैं, बार-बार नियम बदल रहे हैं, उसे अमेरिका में रह रहे प्रवासी भारतीयों के लिए एक तरफ कुआं और दूसरी तरफ खाई बताया जा रहा है। यह लहर अब भारत पहुँच चुकी है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ (टीसीएस) इन्फोसिस, विप्रो और एक्सेंचर जैसी कंपनियाँ भी फएआई स्किलिंगफ के नाम पर कर्मचारियों की छंटनी दबे-छुपे तरीके से कर रही हैं। टीसीएस में इंजीनियरों को एआई और मशीन लर्निंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जो इस नए दौर की परीक्षा में पास नहीं होते हैं, उन्हें कंपनी से बाहर निकालने की तैयारी तरह-तरह से की जा रही है। जो कर्मचारी वर्तमान तकनीकी पर अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहे हैं, उन्हें सुनयोजित तरीके से कंपनी से बाहर निकालने के लिए तरह-तरह के प्रयास शुरू हो गए हैं। भारत में भी जल्द ही बड़े पैमाने पर इसका असर दिखना शुरू हो जाएगा। सरकार और दूसरे संगठनों द्वारा लगातार एआई को प्रमोट किया जा रहा है। जैसे-जैसे एआई में काम बढ़ता जाएगा, मानव संसाधन कम होता चला जाएगा। इसका अगला कदम इस्तीफा और छंटनी के रूप में भारत में भी शुरू हो चुका है।

कर्मचारियों के लिए यह स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है। सोशल मीडिया पर ऐसे कई उदाहरण सामने आ चुके हैं। जहाँ बिना किसी स्पष्ट कारण के इंजीनियरों एवं अन्य कर्मचारियों को अचानक नौकरी से निकाल दिया गया है। यह एक व्यक्ति या एक परिवार के लिए संकट नहीं है, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक चुनौती बनकर सामने आ गया है। बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई और हैदराबाद जैसे आईटी हब में बड़े पैमाने पर हजारों लोगों की नौकरियाँ जाती दिख रही हैं। तो उसका असर रियल एस्टेट, परिवहन, हॉस्पिटैलिटी और स्थानीय व्यवसायों तक पहुंचेगा जिसके कारण लाखों लोग बेरोजगार होंगे। यह सच है, एआई के ज़रिए कंपनियाँ अधिक कुशल हो रही हैं। यह भी उतना ही सच है, इससे मानव श्रम का महत्व तेजी से घट रहा है। आने वाले वर्षों में गिने चुने वही इंजीनियर और कर्मचारी मैदान में टिक पाएँगे जो खुद को एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और रोबोटिक्स जैसी तकनीकों से लैस करेंगे। अब डिग्री और पिछले वर्षों के अनुभव का कोई महत्व नहीं रह गया है। सब काम सॉफ्टवेयर और मशीन करने लगी हैं। इसका असर सारी दुनिया में पड़ना शुरू हो गया है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। एआई की अपडेटेड स्किल ही करियर और नौकरी की गारंटी होगी। एआई अब केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि उद्योगों कृषि कार्यों एवं रोजगार के भविष्य में निर्णायक स्थिति बन गई है। अमेरिका से उठी छंटनी की लहर भारत तक पहुँच चुकी है। 'सुरक्षित' मानी जाने वाली आईटी नौकरियाँ भी अब सुरक्षित नहीं हैं। आने वाले समय में तकनीकी ही तय करेगी, कौन आगे बढ़ेगा और कौन तकनीकी दौड़ में पीछे छूटकर बेरोजगार हो जाएगा। एआई युग की यही सच्चाई है। जो खुद को बदलना सीखेगा, वही अपने भविष्य को सुरक्षित रख पाएगा। वैसे जिस तरह से मानव संसाधन की जगह तकनीकी और मशीने लेती चली जा रही हैं, इसका असर दुनिया के सभी देशों में देखने को मिलेगा। करोड़ों लोगों को काम नहीं मिलेगा। ऐसी स्थिति में इतनी बड़ी जनसंख्या को किस तरह से रोजगार से जोड़कर रखा जा सकता है? तकनीकी के इस दौर में एक नई चुनौती सामाजिक, शासन-प्रशासन के सामने वैश्विक स्तर पर खड़ी होती चली जा रही है। इसका जवाब किसी के पास नहीं है। तकनीकी का यह प्रभाव शुरुआती दौर में है, आगे चलकर यह बहुत सारी मुश्किलें खड़ी करने वाली है। जिस तरह से दुनिया में बेरोजगारी और आर्थिक संकट बढ़ रहा है, यदि समय रहते इसका कोई बेहतर रास्ता नहीं निकला गया तो बहुत भयानक दुष्परिणाम आने वाले वर्षों में देखने को मिल सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिवाली से पहले ड्राई फ्रूट्स की मांग में उछाल

गिफ्टिंग और शादियों से बढ़ी खपत, टैरिफ और वैश्विक अस्थिरता से दाम चढ़े

मुंबई दिवाली नजदीक आते ही देशभर में ड्राई फ्रूट्स की मांग में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। बाजार पूरी तरह सज चुका है और घरों की खरीदारी के साथ-साथ कॉर्पोरेट गिफ्टिंग और शादियों के लिए भी मेवों की डिमांड बढ़ गई है। इस समय अगस्त से दिसंबर तक का समय ड्राई फ्रूट्स की सबसे अधिक बिक्री का होता है। इंडस्ट्री विशेषज्ञों के अनुसार सांस्कृतिक परंपराएं और त्योहारों में गिफ्टिंग का चलन ड्राई फ्रूट्स की मांग को तेजी से बढ़ाता है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के एसोसिएट डायरेक्टर पारस जसराई का कहना है कि त्योहारी सीजन में मांग अचानक बढ़ जाती है, जिससे घरेलू बाजार पर दबाव बनता है और आयात तेज होता है। हालांकि, अमेरिका की टैरिफ नीतियों और वैश्विक व्यापार अस्थिरता ने बादाम, पिस्ता और अखरोट जैसे मेवों की कीमतों को प्रभावित किया है। काजू का आयात त्योहारी महीनों में 173.9 मिलियन डॉलर (1445 करोड़) रहा, जबकि सालाना औसत 134.8 मिलियन डॉलर (1120 करोड़) था। काजू में अगस्त-दिसंबर 2024 के दौरान औसत महंगाई 9.4 फीसदी रही। ऑस्ट्रेलिया, यूएई, ओमान और सऊदी अरब जैसे देशों से ड्राई फ्रूट्स के आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया से बादाम का आयात अप्रैल-जुलाई में 93 फीसदी तक बढ़ गया। विशेषज्ञों का मानना है कि मांग के दबाव में कीमतें और अधिक बढ़ सकती हैं, खासकर जब सप्लाई चेन को एडजस्ट होने में समय लगता है। ऐसे में आने वाले सालों में घरेलू उत्पादन बढ़ाना और आयात स्रोतों में विविधता लाना जरूरी होगा।

आरबीआई ने पेमेंट एग्रीगेटर के लिए नियम आसान बनाए

फिनटेक कंपनियां सीमा पार भुगतान में कर सकेंगी विस्तार

नई दिल्ली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेमेंट एग्रीगेटर (पीए) के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिनके तहत पूरी तरह से लाइसेंस प्राप्त पीए अब सीमा पार भुगतान जैसे नए सेगमेंट में तेजी से विस्तार कर सकते हैं। पहले सीमा पार (सीबी) भुगतान में काम करने के लिए अलग मंजूरी लेने में लगभग एक साल का समय लगता था, लेकिन नए नियमों के अनुसार पीए को केवल 30 दिन पहले आरबीआई को सूचना देना होगा और वे तुरंत नए बिजनेस में काम शुरू कर सकते हैं। इस बदलाव से बाजार में प्रवेश की प्रक्रिया आसान और तेज हुई है। फिनटेक क्षेत्र में काम करने वाली अधिकांश कंपनियां पहले पीए लाइसेंस लेकर बाद में पीए-सीबी में विस्तार करती हैं। इन दोनों श्रेणियों के अनुपालन मानदंड लगभग 80 फीसदी समान होते हैं। इसलिए, नए नियमों से पूरी तरह से लाइसेंस प्राप्त पीए पहले से ही लागू मानदंडों को पूरा करने के कारण नए बिजनेस में जल्दी कदम रख पाएंगे। इससे उनकी राजस्व वृद्धि और विस्तार योजनाओं को मजबूती मिलेगी। पेमेंट एग्रीगेटर ग्राहक और मर्चेंट के बीच पेमेंट चैनलों को जोड़ते हैं। वे ग्राहकों से पेमेंट एकत्र कर मर्चेंट को निपटान करते हैं। पीए-सीबी इकाइयां ऑनलाइन आयात-निर्यात की वस्तुओं और सेवाओं के लिए सीमा पार भुगतान की सुविधा प्रदान करती हैं। देश में फिलहाल 56 पूरी तरह से लाइसेंस प्राप्त ऑनलाइन पीए और 6 पीए-सीबी हैं, जिन्हें आरबीआई की मंजूरी मिली हुई है। नए नियमों से इनकी संख्या बढ़ने की उम्मीद है, जिससे डिजिटल भुगतान क्षेत्र और मजबूत होगा।

सोना 2000 रुपए उछला, चांदी ने भी 5000 की लगाई छलांग

सोना 1,23,680 रुपए प्र ति 10 ग्राम, चांदी लगभग 1,52,322 रुपए तक

नई दिल्ली घरेलू बाजारों में सोमवार को सोने की कीमत एक बार फिर उच्च स्तर पर पहुंच गई। हफ्ते के पहले दिन बाजार खुलते ही इसमें 2,000 रुपये से अधिक की तेजी आई। एमसीएक्स पर 5 दिसंबर की डिलीवरी वाला सोना सोमवार को खुलते ही 1,837 रुपये की तेजी के साथ 1,23,201 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। शुरुआती कारोबार में यह 1,23,680 रुपये तक गया। पिछले सत्र में यह 1,21,364 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1,23,239 रुपये पर खुला। जानकारों का कहना है कि अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर फिर से शुरू होने की चिंता से निवेशक सुरक्षित निवेश की तलाश में सोने का रुख कर रहे हैं। आर्थिक और राजनीतिक अनिश्चितताओं और अमेरिका में रेट कट की संभावना ने भी सोने की चमक बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना 4,059.30 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

भारत की अर्थव्यवस्था 2026 तक 6-6.5 फीसदी की दर से बढ़ने की संभावना

मुंबई

भारत की एक वित्तीय सेवा कंपनी का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत घरेलू मांग, डिजिटल नेतृत्व, अवसंरचना में निवेश, सुधारों की गति और भू-राजनीतिक संतुलन जैसी कई वजहों से लगातार विकास कर सकती है। फर्म के अनुसार, चीन+1 रणनीति और विभिन्न सेक्टरों में विविधता के साथ ये ताकतें भारत को उन कुछ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाती हैं, जो 2026 तक 6-6.5 फीसदी की स्थिर विकास दर देने में सक्षम हैं। वैश्विक चुनौतियों जैसे शुल्क युद्ध, सप्लाई चेन में व्यवधान और यूक्रेन व मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव से अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का अनुमान है कि इसका वैश्विक विकास पर केवल 0.5 प्रतिशत अंक का मामूली असर पड़ेगा। इसके विपरीत, भारत की अर्थव्यवस्था अगले कुछ तिमाहियों में उपभोक्ता खर्च, जीएसटी सुधार और कम ब्याज दरों से 6.2-6.3 फीसदी की दर से बढ़ने की संभावना है। हालांकि अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात पर 50 फीसदी तक शुल्क लगाने जैसी वैश्विक व्यापार चुनौतियां हैं, फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था लचीलापन दिखा रही है। अगस्त

2025 में मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज पीएमआई 15-17 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक विस्तार का संकेत देता है।

तेलंगाना सरकार खुले बाजार से 9,000 करोड़ रुपये जुटाएगी

हैदराबाद तेलंगाना सरकार अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही में खुले बाजार से 9,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बना रही है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी उधारी कैलेंडर के अनुसार, अक्टूबर और नवंबर में 2,000-2,000 करोड़ रुपए तथा दिसंबर में 5,000 करोड़ रुपएकी राशि जुटाई जाएगी। इससे पहले, राज्य ने सितंबर तक 15,500 करोड़ रुपए की उधारी ली थी। तेलंगाना ने वित्त वर्ष 2025-26 में 54,009.74 करोड़ रुपए राजकोषीय घाटे का अनुमान रखा है, जबकि अगस्त अंत तक यह आंकड़ा 33,415.15 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। यह उधारी विकास परियोजनाओं व वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की जा रही है।

चीन का अमेरिका को निर्यात सितंबर में घटा, वैश्विक निर्यात बढ़ा

कुल निर्यात 328.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा

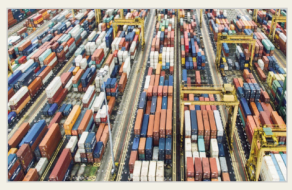

हांगकांग सितंबर 2025 में चीन का अमेरिका को निर्यात 27 फीसदी घटकर लगातार छठे महीने गिरावट के दौर में रहा, जबकि चीन का वैश्विक निर्यात 8.3 फीसदी की सालाना वृद्धि के साथ छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। चीन की सीमा शुल्क एजेंसी द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, कुल निर्यात 328.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो अर्थशास्त्रियों के अनुमानों से अधिक है। अगस्त में यह वृद्धि 4.4 फीसदी थी। वहीं आयात में भी सुधार दर्ज किया गया है। सितंबर में चीन का आयात 7.4 फीसदी बढ़ा, जो अगस्त की 1.3 फीसदी वृद्धि से काफी बेहतर है। हालांकि, घरेलू अर्थव्यवस्था की सुस्ती और रियल एस्टेट क्षेत्र की मंदी के कारण उपभोग पर दबाव बरकरार है। अमेरिका-चीन व्यापार तनाव इसके पीछे प्रमुख कारण है। अमेरिका द्वारा चीनी वस्तुओं पर 100 फीसदी तक के अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने और चीन द्वारा अमेरिकी जहाजों पर नए बंदरगाह शुल्क लागू करने से तनाव और बढ़ गया है। इस बीच, चीन ने अन्य बाज़ारों की ओर रुख किया है। सितंबर में दक्षिण-पूर्व एशिया को निर्यात 15.6त बढ़ा, लातिन अमेरिका को 15 फीसदी और अफ्रीका को 56 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि हुई। सीमा शुल्क एजेंसी के उप मंत्री वांग जुन ने कहा, वर्तमान वैश्विक व्यापार वातावरण गंभीर और जटिल है। हमें चौथी तिमाही में व्यापार को स्थिर रखने के लिए और प्रयास करने होंगे।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स करीब 173.77 अंक टूटकर 82,327.05 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 58 अंक फिसलकर 25,227.35 पर बंद हुआ। आईटी और एफएमसीजी स्टॉक्स में गिरावट से बाजार नीचे आया है। आज अधिकतर सूचकांक नीचे आये हैं।

निफ्टी आईटी 0.78 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.90 फीसदी, निफ्टी पीएसई 0.55 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.84 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.43 फीसदी और निफ्टी एनर्जी 0.30 फीसदी की कमजोरी के साथ बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू बैंक 0.24 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.16 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.02 फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.10 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ।

मिडकैप और स्मॉलकैप में आज मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 64.95 अंक बढ़कर 58,762.35 बंद हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 31.60 अंक टूटकर 18,101.75 पर था।

सेंसेक्स पैक में अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, एनटीपीसी, एसबीआई, मारुति सुजुकी, टाइटन और एमएंडएम सबसे अधिक बढ़े जबकि टाटा मोटर्स, एचयूएल, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, बीईएल, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टीसीएस, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, एलएंडटी, एचडीएफसी बैंक और ट्रेंट के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। बाजार जानकारों के अनुसार एफएमसीजी शेयरों में मुनाफावसूली हावी होने से बाजार नीचे आया है।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स 400 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 82,049.16 पर खुला। इसी तरह निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 25,177 पर खुलकर 68.85 अंक की गिरावट लेकर 25,219 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं एशियाई बाजारों लाल रंग में रहे, चीन और अमेरिका के बीच ट्रेड तनाव बढ़ने के बाद। दोनों देशों ने नए व्यापार प्रतिबंध लगाए और आपस में आरोप-प्रत्यारोप जारी रखा। वॉल स्ट्रीट के प्रमुख सूचकांक एसएंडपी 500 और कम्पो जिट में अप्रैल के बाद सबसे बड़ी एकल-दिन की गिरावट देखी गई। यह गिरावट अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड विवाद बढ़ने के बाद आई।

एमएसएमई पर ट्रंप टैरिफ का असरः वित्त मंत्रालय बैंकों के साथ करेगा समीक्षा

लोन की जरूरतों का भी होगा आकलन

नई दिल्ली

अमेरिका द्वारा भारत के निर्यात पर लगाए गए उच्च शुल्क का सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रमों (एमएसएमई) पर पड़ने वाले असर और उनकी ऋण जरूरतों का सरकार मूल्यांकन करेगी। इसके लिए वित्त मंत्रालय सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ समीक्षा बैठक करेगा। एक वरिष्ठ अे धिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर यह जानकारी दी। इस बैठक की अध्यक्षता वित्तीय सेवाओं के विभाग के सचिव एम नागराजू करेंगे। समीक्षा में वित्तीय समावेशन योजनाओं जैसे मुद्रा, ऋण गारंटी योजनाओं आदि पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह समझना है कि बाहरी व्यापार दबाव एमएसएमई को कैसे प्रभावित कर रहे हैं और यह भी सुनिश्चित करना है कि मौजूदा सरकारी पहलों के तहत पर्याप्त ऋण सहायता जारी रहे। अधिकारी ने कहा कि समीक्षा में वित्तीय समावेशन योजनाओं जैसे मुद्रा, ऋण गारंटी योजना आदि पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बैठक का उद्देश्य यह समझना है कि बाहरी व्यापार दबाव एमएसएमई को कैसे प्रभावित कर रहे हैं और यह सुनिश्चित करना है कि मौजूदा सरकारी पहलों के तहत पर्याप्त ऋण सहायता जारी रहे। सरकार को इस बात की भी चिंता है कि उच्च शुल्क के प्रभाव की वजह से मुद्रा ऋण योजना के तहत गैर-निष्पादित आस्तियां बढ़ सकती हैं। वित्तीय सेवाओं का विभाग स्थिति की समीक्षा करेगा और संभावित सुधारात्मक उपायों पर बैंकरों से सुझाव मांगेगा। भारत के कुल

निर्यात में 45 फीसदी से अधिक का योगदान देने वाले एमएसएमई को अमेरिका द्वारा निर्यात पर 50 फीसदी शुल्क लगाने के फैसले के बाद बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। एमएसएमई उद्योग संगठनों ने इसके व्यापक प्रभाव पर चिंता जताई और सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

स्काई गोल्ड पर ब्रोकरेज की चमकदार रिपोर्ट, 32 फीसदी रिटर्न की संभावना

स्काई गोल्ड एंड डायमंड्स में निवेश का सुनहरा मौका

नई दिल्ली भारतीय शेयर बाजार ने बीते सप्ताह तीन महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक बढ़त दर्ज की। विदेशी निवेशकों की खरीदारी और दूसरी तिमाही के नतीजों के सीजन की शुरुआत ने बाजार को समर्थन दिया। हालांकि, वैश्विक स्तर पर ट्रंप टैरिफ को लेकर चिंता बनी हुई है, जिससे निवेशक सतर्क रुख अपनाए हुए हैं। इस बीच ब्रोकरेज हाउस नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने जूलरी कंपनी स्काई गोल्ड एंड डायमंड्स पर कवरेज शुरू करते हुए बाय की रेटिंग दी है। ब्रोकरेज ने स्टॉक का टारगेट प्राइस 450 रुपए तय किया है, जो वर्तमान कीमत 337 रुपए के मुकाबले 32 फीसदी की संभावित बढ़त दिखाता है। नुवामा का मानना है कि स्काई गोल्ड वित्त वर्ष 2025 से 2028 के बीच 39 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से राजस्व में वृद्धि करेगा। यह वृद्धि मौजूदा ग्राहकों से मजबूत वॉल्यूम ग्रोथ, नए ग्राहकों की संख्या में वृद्धि और निर्यात पर बढ़ते फोकस के चलते संभव होगी। कंपनी का एडवांस गोल्ड मॉडल वर्किंग कैपिटल को बेहतर बनाता है, जिससे प्रॉफिटेबिलिटी में सुधार की संभावना जताई जा रही है। कैरेटलैन और नॉवेल जैसे नए ग्राहक कंपनी की ग्रोथ में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

ईपीएफओ की योजनाओं को मिलेंगे नए बेंचमार्क, निवेश रणनीति बदलने की तैयारी

आरबीआई की सिफारिश पर तीन योजनाओं के लिए अलग-अलग तय किए जा सकते हैं निवेश मानक

नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपनी तीन प्रमुख योजनाओं कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी डिपॉजिट लिंक्ड बीमा योजना (ईडीएलआई) के लिए अलग-अलग बेंचमार्क यील्ड बनाने पर विचार कर रहा है। यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की सिफारिशों के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें कहा गया है कि इन योजनाओं की अलग-अलग देनदारियों को देखते हुए एक समान निवेश रणनीति उपयुक्त नहीं है। आरबीआई ने श्रम मंत्रालय द्वारा सौंपी गई एक रिपोर्ट की समीक्षा के बाद सलाह दी थी कि हर योजना की पूंजी निवेश रणनीति उसकी जिम्मेदारियों के अनुसार तय की जानी चाहिए। इसके बाद, क्रिसिल द्वारा बेंचमार्क का एक मसौदा तैयार किया गया है, जिसे विशेषज्ञों की समिति से अनुमोदन मिलने के बाद निवेश समिति और फिर सरकार के पास भेजा जाएगा। वर्तमान में ईपीएफओ 25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का प्रबंधन करता है, जो देश के औपचारिक क्षेत्र में काम कर रहे लगभग 30 करोड़ कर्मचारियों से जुड़ी है। इस बीच, ईपीएफओ का शीर्ष निकाय केंद्रीय न्यासी बोर्ड कर्मचारी पेंशन योजना के तहत आने वाले करीब 80 लाख पेंशनभोगियों को बड़ी राहत

देने जा रहा है। जल्द ही उन्हें इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेटकी घर पर डिलीवरी की सुविधा मिल सकती है। इसका उद्देश्य बुजुर्ग पेंशनधारकों को भौतिक रूप से प्रमाणपत्र जमा करने की कठिनाइयों से बचाना है।

निवेशक तय नहीं कर पा रहे सोना खरीदें या शेयर?

नई दिल्ली

भारत में सोना और शेयर खरीदने का अपना अलग महत्व है। सोना पारंपरिक रूप से सुरक्षा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है, जबकि शेयर बाजार को लंबे समय में संपत्ति बढ़ाने का बेहतरीन जरिया समझा जाता है। हालांकि मौजूदा हालात में सोना निवेशकों के लिए ज्यादा चमकदार साबित हुआ है। पिछले एक साल में सोने ने करीब 50 प्रतिशत तक का शानदार रिटर्न दिया है। वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, बढ़ते कर्ज और केंद्रीय बैंकों की भारी खरीदारी ने इसकी कीमत को ऊंचा बनाए रखा। भारत में सोने से जुड़ा प्रमुख ईटीएफ 'गोल्डबीस' ने भी लगभग 55 प्रतिशत रिटर्न दिया है, जिससे यह 2025 की सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली संपत्ति बन गई है। इसके मुकाबले निफ्टी 50 इंडेक्स पिछले एक साल में लगभग स्थिर रहा। हालांकि महामारी के बाद बाजार में अच्छी तेजी आई थी, लेकिन हाल के महीनों में उतार-चढ़ाव के कारण इसकी गति धीमी पड़ गई है। पहली नजर में सोना विजेता लगता है, मगर अगर नजरिया लंबी अवधि का रखा जाए तो तस्वीर अलग दिखाई देती है। पिछले 10 से 15 वर्षों के प्रदर्शन

को देखें तो निफ्टी 50 ईटीएफ ने 12 से 15 प्रतिशत तक का कंपाउंड एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) दिया है, जबकि सोने का लंबी अवधि का रिटर्न लगभग 8 से 9 प्रतिशत के बीच रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि शेयर बाजार में निवेश से कंपनियों की बढ़ती कमाई, डिविडेंड और देश की आर्थिक प्रगति का सीधा फायदा निवेशकों को मिलता है। वहीं सोना न तो आय उत्पन्न करता है और न ही उसमें ग्रोथ की संभावना होती है; यह केवल आर्थिक या राजनीतिक संकट के समय अपनी कीमत बनाए रखने में मदद करता है। पॉल असेट के इक्विटी विश्लेषक और 129 वेल्थ फंड के फंड मैनेजर प्रसेन्जित पॉल का कहना है कि सोना भले ही सुरक्षित निवेश माना जाता हो, लेकिन लंबी अवधि में शेयर बाजार ज्यादा बेहतर प्रदर्शन करता है। उनके अनुसार, जो निवेशक स्थिरता चाहते हैं, वे सोना चुन सकते हैं, जबकि जो तेज़ विकास की संभावना तलाशते हैं, उनके लिए शेयर बेहतर हैं।

भारत का नमकीन और स्नैक्स मार्केट बना बड़ा कारोबार

विदेशी प्लेयर पैसा लगाने को तैयार

मुंबई

भारत का नमकीन और स्नैक्स मार्केट अब सिर्फ खाने-पीने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह अब एक बड़ा बिजनेस बन चुका है। जिस बाजार पर कभी केवल देसी और लोकल ब्रांडों का दबदबा था, अब वहां विदेशी कंपनियों की भी दिलचस्पी बढ़ी है। अमेरिका की नामी कंपनी जनरल मिल्स, बालाजी वेफर्स जैसी लोकल कंपनियों में निवेश की तैयारी में है। वहीं पेप्सिको और आईटीसी जैसी बड़ी कंपनियां भी इसमें हिस्सेदारी चाहती हैं।

भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण और भागदौड़ भरी जिंदगी ने लोगों की खाने की आदतों को बदल दिया है। लोग अब लंबे समय तक घर में खाना बनाने के बजाय इसतरह के फूड आइटम पसंद कर रहे हैं जो झटपट खाए जा सकें। इसकारण रेडी-टू-ईट स्नैक्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। आज का उपभोक्ता सिर्फ मसालेदार नमकीन या चिप्स से खुश नहीं है, लोग अब इसतरह के स्नैक्स ढूंढ रहे हैं जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी अच्छे साबित हो। बाजार में अब क्विनोआ, बाजरा, भुने बीज, कम तेल वाले और बेक किए हुए विकल्प तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

भारतीय नमकीन की बिक्री में 15 प्रतिशत तक की वृद्धि की उम्मीद है, जो संगठित पश्चिमी स्नैक्स सेगमेंट के लिए एक मजबूत अनुमान है। यह वृद्धि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता और प्राकृतिक, स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स की मांग को दर्शाती है, साथ ही क्षेत्रीय और मसालेदार स्वादों के नए और पारंपरिक रूपों की बढ़ती लोकप्रियता भी इसमें योगदान दे रही है। भारतीय नमकीन और स्नैक्स बाज़ार 2025-2029 के दौरान लगभग 15 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। यह वृद्धि मुख्य रूप से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने और प्राकृतिक, स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों की ओर झुकाव के कारण है। उपभोक्ता नए स्वाद और प्रारूपों को अपनाने के लिए उत्सुक हैं, खासकर उन क्षेत्रीय और मसालेदार स्वादों के लिए जो नए तरीकों से पेश किए जाते हैं।

एक कारण ये भी हैं कि भारत का ग्रामीण बाजार अब उतना पिछड़ा नहीं रहा, यहां भी लोगों की आय में इजाफा हुआ है और वे अब ब्रांडेड स्नैक्स खरीदने के लिए तैयार हैं। कंपनियां गांवों के लिए सस्ते पैकेट तैयार कर रही हैं जैसे 1 रुपये, 5 रुपये और 10 रुपये वाले पैक, जो वहां की जेब और जरूरत के हिसाब से फिट बैठते हैं।

अमेरिका की टैरिफ नीति पर भारत का करारा जवाब, ईयू से मुक्त व्यापार समझौता जल्द

27 देशों से बिना टैरिफ व्यापार की तैयारी, दिसंबर तक एफटीए पर हस्ताक्षर की उम्मीद

नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ और व्यापारिक दबावों का जवाब अब भारत ने रणनीतिक रूप से दे दिया है।

भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर वार्ता को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा दिया है। यह समझौता लागू होने पर भारत 27 यूरोपीय देशों के साथ बिना या बेहद कम टैरिफ के व्यापार कर सकेगा, जिससे अमेरिकी नीतियों से हुए नुकसान की काफी हद तक भरपाई संभव हो पाएगी।

ब्रुसेल्स में भारत और यूरोपीय संघ के बीच एफटीए पर 14वें दौर की वार्ता 6 अक्टूबर से शुरू होकर 5 दिन चली। वार्ता को गति देने के लिए भारत के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल भी टीम के साथ अंतिम दिनों में शामिल हुए। इस दौरान वस्तुओं और सेवाओं से जुड़े विवादित मुद्दों पर भी सार्थक प्रगति हुई है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संकेत दिए हैं कि दिसंबर 2025 तक समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। इसके लिए वह ब्रुसेल्स जाकर यूरोपीय आयोग के व्यापार प्रमुख से मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि वित्तवर्ष 2023-24 में भारत और ईयू के बीच कुल 135 अरब डॉलर का वस्तु व्यापार और 53 अरब डॉलर का सेवा व्यापार हुआ था।

एफटीए से इन आंकड़ों में भारी वृद्धि की संभावना है। यह समझौता भारत के लिए एक रणनीतिक कदम होगा, जो उसे वैश्विक व्यापार में अधिक ताकतवर और स्वतंत्र बनाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत/वेस्ट इंडीज दूसरे टेस्ट: वेस्टइंडीज के खिलाफ सूपड़ा साफ करने से भारत 58 रन दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 63/1 रन बनाए हैं और अब जीत से सिर्फ 58 रन दूर है। केएल राहुल 25* और साई सुदर्शन 30* रन बनाकर नाबाद हैं। वेस्ट इंडीज ने भारत को जीत के लिए 121 रन का टारगेट दिया है।

भारत ने अपनी पहली पारी 518/5 घोषित की थी और वेस्ट इंडीज ने पहली पारी में 248 रन बनाए। इसके बाद भारत ने फॉलो-ऑन देते हुए वेस्ट इंडीज को दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए भेजा। वेस्ट इंडीज ने दूसरी पारी में 390 रन बनाए, जिसमें जॉन कैम्पबेल ने 115 और शाई होप ने 103 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया।

जॉन कैम्पबेल और शाई होप ने तीसरे विकेट के लिए 177 रनों की साझेदारी कर भारत की जीत को चुनौती दी। कैम्पबेल का यह टेस्ट करियर का पहला शतक था। शाई होप ने आठ साल बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाया।

भारतीय गेंदबाजों में कुलदीप यादव ने 5 विकेट, जसप्रीत बुमराह ने 3 और मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट लिए। रनचेज़ में भारतीय टीम की शुरुआत यशस्वी जायसवाल (8 रन) के जल्दी आउट होने से थोड़ी धीमी रही, लेकिन केएल राहुल और साई सुदर्शन ने नाबाद अर्धशतकीय साझेदारी कर भारत को जीत के करीब पहुंचा दिया।

भारत के लिए कुलदीप यादव ने 5 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा को तीन विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। उल्लेखनीय है कि भारत ने पहली पारी में यशस्वी जयसवाल (175) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 129) की शतकीय पारियों के दम पर पांच विकेट पर 518 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी थी।

भारत की पहली पारी: जायसवाल और शुभमन का कमाल

पहले दिन भारत के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। सलामी जोड़ी यशस्वी जायसवाल (175) और केएल राहुल (36) ने ठोस शुरुआत दी। इसके बाद साई सुदर्शन (87) ने जायसवाल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 193 रनों की साझेदारी की।

जायसवाल का शतक 145 गेंदों में आया, जबकि शुभमन गिल ने 196 गेंदों पर नाबाद 129 रन की पारी खेलते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया।

नीतीश रेड्डी (43) और ध्रुव जुरेल (44) ने भी तेज पारी खेली। भारत ने 134.2 ओवर में 518 रन बनाकर पारी घोषित की।

वेस्टइंडीज की पारी: फिरकी में फंसे बल्लेबाज

जवाब में वेस्टइंडीज की शुरुआत निराशाजनक रही। ओपनर जॉन कैम्पबेल (10) जल्दी आउट हुए। तेजनारायण चंद्रपॉल (34) और एलिक अथानाज (41) ने थोड़ी देर प्रतिरोध किया, लेकिन जडेजा ने दोनों को चलता किया।

कप्तान रोस्टन चेज़ बिना खाता खोले आउट हुए। दिन के अंत में शाई होप (31)* और टेविन इमलाच (14)* नाबाद रहे।

भारत की नजर 10वीं सीरीज जीत पर

भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछली 9 टेस्ट सीरीज में एक भी हार नहीं झेली है। 2002 के बाद से कैरेबियाई टीम भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है। दिल्ली के इस मैदान पर जडेजा का प्रदर्शन एक बार फिर चर्चा में है – याद दिला दें, 2023 में इसी पिच पर उन्होंने एक पारी में 7 विकेट (7/42) और पूरे मैच में 10 विकेट झटके थे।

जिद ने दिलाया खिताब, कोको गॉफ ने पेगुला को हराकर जीता वुहान ओपन फाइनल

स्पोर्ट्स डेस्क। अमेरिकी स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ (Coco Gauff) ने रविवार को अपने हमवतन जेसिका पेगुला को 6-4, 7-5 से हराकर वुहान ओपन 2025 का खिताब अपने नाम किया। 21 वर्षीय गॉफ ने इस टूर्नामेंट में बिना एक भी सेट गंवाए खिताब जीता और ओपन एरा में ऐसी पहली खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने अपने शुरुआती 9 हार्ड कोर्ट फाइनल लगातार जीते।

गॉफ ने मैच के बाद बताया कि उनकी 'ज़िद' ने उन्हें जीत दिलाई, 'मेरे कोच चाहते थे कि मैं यूएस ओपन के बाद आराम करूं, लेकिन मैं ज़िद्दी हूं... और मैंने उन्हें गलत साबित कर दिया!'

कोको ने कहा कि चीन आकर खेलने का उनका फैसला सही साबित हुआ, 'यह एशियन स्विंग शानदार रहा। बीजिंग में सेमीफाइनल तक पहुंची और अब यहां खिताब जीतना वाकई खास है।'

गॉफ और पेगुला कभी डबल्स पार्टनर रह चुकी हैं। इस ऑल-अमेरिकन फाइनल में गॉफ ने कई बार पिछड़ने के बावजूद वापसी की। उन्होंने लगातार 10 अंक जीतकर मुकाबले को अपने नाम किया। पेगुला ने भी गॉफ की तारीफ करते हुए कहा, 'कोको के साथ फाइनल खेलना शानदार अनुभव रहा। वह जबरदस्त फाइटर हैं।'

31 वर्षीय पेगुला ने हाल के हफ्तों में बीजिंग और वुहान दोनों जगह शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि एशियाई टूर की गर्मी और थकान के बावजूद यह उनका सबसे अच्छा फॉर्म रहा है।

गॉफ ने अब तक अपने करियर का तीसरा WTA 1000 खिताब जीता है और उनकी फॉर्म आने वाले सीज़न के लिए इंगित करती है कि वह अभी लंबी दौड़ में हैं।

लगातार दूसरी हार से निराश हरमनप्रीत बोली, हम वापसी करेंगे

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्वकप मैच में 300 से अधिक रन बनाने के बाद भी मिली हार पर निराशा जताई है। हरमनप्रीत ने साथ ही कहा कि केवल दो मैचों में मिली हार से विश्वकप अभियान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इन दोनो ही मैचों में टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा हालांकि उसे जीत नहीं मिल पायी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ने 330 रनों का विशाल स्कोर बनाया था पर फिर भी वह उसका बचाव नहीं कर पायी। इस मैच में भारतीय टीम को 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। हरमनप्रीत ने कहा कि दो मैचों की विफलता से कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता है और टीम एक बार फिर जीत के साथ वापसी करेगी। हरमनप्रीत कौर ने कहा, हमारी शुरुआत जिस तरह की हुई थी, उससे हम 30 से 40 रन और बना सकते थे पर अंतिम 6 से 7 ओवरों में हमने लगातार विकेट गंवा दिये। बल्लेबाजी के लिए अच्छे विकेट का लाभ नहीं उठा पाने के कारण ऐसा हुआ। सलामी बल्लेबाजों ने काफी अच्छी शुरुआत दी थी पर बीच के ओवरों में हम उसका ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाये हालांकि निचले क्रम का प्रदर्शन अच्छा रहा। हरमनप्रीत ने कहा, अगले कुछ मैच बहुत अहम हैं और इस मैच से कई सकारात्मक बातें सामने आई हैं। हम बैठकर उस पर बात करेंगे। इस संयोजन से हमें पहले भी सफलता मिली है। वहीं भारतीय टीम को पिछले मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 3 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच भी भारतीय टीम जीत के करीब पहुंचकर भी हार गयी थी। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने शुरुआती विकेट काफी कम रनों पर गंवा दिये थे पर उसके बाद निचले क्रम ने उसे लक्ष्य तक पहुंचा दिया था।

मोहम्मद सिराज 2025 में टेस्ट क्रिकेट के बादशाह बने, ब्लेसिंग मुजरबानी को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 2025 में टेस्ट मैचों में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज का खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने यह उपलब्धि वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के चौथे दिन हासिल की, जब उन्होंने शाई होप (103 रन) को आउट किया।

सिराज ने इस साल अब तक आठ टेस्ट मैचों में 37 विकेट झटके हैं। उन्होंने 1,575 गेंदें (262.3 ओवर) फेंकीं, जिनमें 39 मेडन ओवर शामिल रहे। उनका गेंदबाजी औसत 26.91, इकॉनमी रेट 3.79 और स्ट्राइक रेट 42.56 रहा। सिराज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 70 रन देकर 6 विकेट का है। उन्होंने दो बार चार विकेट और दो बार पाँच विकेट हासिल किए हैं।

दूसरी ओर, जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी ने नौ मैचों में 36 विकेट लिए हैं। उन्होंने 1,660 गेंदें (276.4 ओवर) फेंकीं और 28.63 की औसत से विकेट झटके। उनका इकॉनमी रेट 3.72 और स्ट्राइक रेट 46.11 रहा, जबकि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर 7 विकेट का था।

वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन, मेहमान टीम ने 252/3 के स्कोर से दूसरे सत्र की शुरुआत की थी। शाई होप ने सिराज की गेंद पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया, लेकिन जल्द ही 103 रन पर आउट हो गए। इसके बाद कुलदीप यादव ने एक ही ओवर में दो विकेट झटके रोस्टन चेज (40) और खैरी पियरे (0)।

विंडीज की टीम 300 रन तक पहुंची, लेकिन जल्द ही वारिकन (3) और फिलिप्स (2) भी आउट हो गए। दिन के अंत में मेहमान टीम 93 ओवर में 311/9 पर संघर्ष कर रही थी, जबकि जस्टिन ग्रीव्स (5*) और जोमेल वारिकन (0*) क्रीज पर टिके रहे। सिराज के शानदार प्रदर्शन ने न केवल भारत को मज़बूत स्थिति में ला दिया है, बल्कि उन्हें 2025 का टेस्ट विकेट किंग भी बना दिया है।

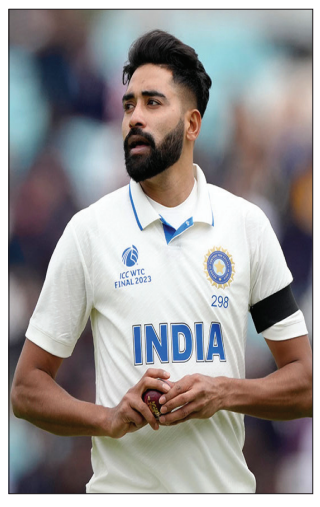

जोशना चिनप्पा ने जापान ओपन का खिताब जीता

नई दिल्ली। भारत की चोटी की स्क्वाश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को योकोहामा में जापान ओपन फाइनल में मिस्र की हया अली को चार गेम में हराकर अपना 11वां पीएसए टूर खिताब जीता। विश्व की पूर्व नंबर 10 भारतीय महिला खिलाड़ी ने 15,000 अमेरिकी डॉलर इनामी चैलेंजर प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की खिलाड़ी को 38 मिनट में 11-5, 11-9, 6-11, 11-8 से हराया। इससे पहले विश्व रैंकिंग में 117वें स्थान पर काबिज चिनप्पा ने सेमीफाइनल में मिस्र की चौथी वरीयता प्राप्त राणा इस्माइल को 11-7, 11-1, 11-5 से हराया था। इस बीच मौजूदा पुरुष राष्ट्रीय चैंपियन और दुनिया के 29वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह रविवार को रेडवुड सिटी (अमेरिका) में चल रहे 130,500 डॉलर इनामी पीएसए गोल्ड इवेंट सिलिकॉन वैली ओपन के राउंड ऑफ 16 के मैच में दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी और पांचवीं वरीयता प्राप्त फ्रांस के विक्टर क्रूइन से 4-11, 2-11, 1-11 से हार गए।

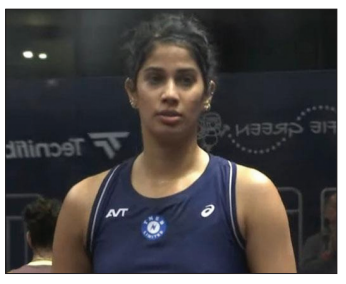

पाक गेंदबाज इहसानुल्लाह का दावा, अभिषेक को 3 से 6 गेंदों में ही आउट कर दूंगा

लाहौर । एशिया कप क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विरोधी टीम के गेंदबाजों की जमकर पिटाई करने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को पाकिस्तान के एक गेंदबाज ने चुनौती दी है। पाक गेंदबाज इहसानुल्लाह का एक वीडियो आया है। इसमें इस गेंदबाज ने कहा है कि अगर उसे अवसर मिले तो वह 3 से 6 गेंदों में ही अभिषेक को आउट कर सकता है। उसने इसके लिए अपनी योजना भी बतायी है। इहसानुल्लाह को एशिया कप में पाकिस्तान की टीम में जगह नहीं मिली थी। इस गेंदबाज ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रवेश किया है। इस गेंदबाज ने पाक के लिए एक एकदिवसीय और 4 टी20 मुकाबले खेले हैं। वहीं दूसरी ओर अभिषेक ने एशिया कप के सात मैचों में करीब 200 के करीब स्ट्राइक रेट से 314 रन बनाए हैं। उनके नाम सबसे ज्यादा छक्के का रिकार्ड भी है। वहीं पाक सुपर लीग में 152.65 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकने के लिए मशहूर हुए इहसानुल्लाह के अनुसार वह अभिषेक का विकेट ले सकते हैं। वायरल वीडियो में इहसानुल्लाह कहते नजर आ रहे हैं, 'अगर मुझे भारत के खिलाफ खेलने का मौका मिला तो मैं अभिषेक का विकेट 3 से 6 गेंदों के बीच ले लूंगा।' साथ ही कहा, 'मेरी 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार उसे 160 जैसी लगेगी। वह उनकी तेजी का अंदाजा नहीं लगा पाएगा। मैं बाएं हाथ के बल्लेबाजों को इनस्विंगर करता हूं, और उसे ऐसी गेंदों से परेशानी होती है। इसीलिए मैं ऐसा कह रहा हूं। मैं बाएं हाथ के बल्लेबाजों के दाएं कंधे पर अपनी बाउंसर फेंकता हूं। जिससे खेलना कठिन हो जाता है।' भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच अगला मुकाबला टी20 विश्वकप 2026 में खेला जाएगा, अब देखना होगा कि इमसें इहसानुल्लाह पाक टीम में जगह मिलती है या नहीं।

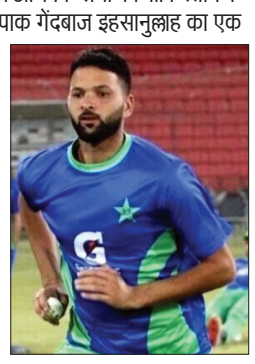

हरभजन सिंह को उम्मीद, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विराट कोहली कम से कम इतने शतक लगाएंगे

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे टीम में वापसी पर खुशी जताई और उम्मीद जताई कि 19 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीन मैचों के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान वह कम से कम दो शतक जड़ेंगे। विराट रोहित शर्मा के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घर से बाहर होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी करेंगे।

टी20 और टेस्ट मैचों से पहले ही संन्यास ले चुके विराट कोहली की वनडे क्रिकेट में वापसी किसी उत्सव से कम नहीं लग रही है, खासकर ऑस्ट्रेलिया में, जहां उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। शुभमन गिल के नए वनडे कप्तान बनने और अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह और तिलक वर्मा जैसी कई नई प्रतिभाओं के साथ उन्हें 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप की दौड़ में बने रहने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि टूर्नामेंट से पहले उनकी उम्र क्रमशः 39 और 40 वर्ष होगी।

हरभजन ने कहा कि विराट उन खिलाड़ियों में से एक हैं जो बड़े मौकों पर शानदार प्रदर्शन करते हैं और यही बात उन्हें

दूसरों से अलग बनाती है। उन्होंने कहा, 'वह बड़े मौकों और दबाव वाले मैचों का इंतजार करता है और तभी वह दिखाता है कि वह चैंपियन क्यों है। जब आप सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तभी आप सम्मान अर्जित करते हैं और उसने यह सम्मान अर्जित किया है, खासकर ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाने और टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के बाद। यही वो चुनौतियां हैं जिनका वह बेसब्री से इंतजार करता है। ऑस्ट्रेलिया उसका पसंदीदा शिकारगाह है और अब वह आईपीएल के बाद वापसी कर रहा है। मैं उसे उन तीन वनडे मैचों में बल्लेबाजी करते देखने के लिए उत्सुक हूं और उम्मीद है कि उन तीन में से वह भारत के लिए कम से कम दो शतक लगाएगा।'

हरभजन ने विराट को फिटनेस गुरु भी कहा और आग्रह किया कि इस स्टार बल्लेबाज की फिटनेस को लेकर कोई सवाल या चिंता न उठाई जाए। उन्होंने आगे कहा, 'वह फिट हैं, शायद उनके साथ खेलने वाले कई खिलाड़ियों से ज़्यादा फिट। आज के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वह यकीनन सबसे फिट खिलाड़ी हैं। अब मैं विराट को फिर से खेलते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं। प्रशंसकों ने उन्हें देखना मिस किया है, और निजी तौर पर मैं उन्हें कुछ और समय तक वनडे इंटरनेशनल फॉर्मेट में खेलते देखना पसंद करूंगा क्योंकि उनमें अभी भी बहुत कुछ है। जब उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया, तो मुझे सचमुच लगा कि उनमें अभी भी 4-5 साल बाकी हैं, न सिर्फ खेलने के लिए बल्कि दबदबा बनाने के लिए भी, क्योंकि वह उस तरह के बल्लेबाज हैं।'

इस स्पिनर ने विश्वास जताया कि विराट ऑस्ट्रेलिया में एक बार फिर अपनी ÷दमदार÷ दिखाएंगे। उन्होंने कहा, 'हमने उन्हें पहले भी उन परिस्थितियों में ढेरों रन बनाते देखा है, और मुझे विश्वास है कि वह फिर से ऐसा करेंगे। रोहित के लिए भी यही बात लागू होती है, मैं इन दोनों दिग्गजों को भारत के लिए बड़े स्कोर बनाते और टीम को मैच जिताने में मदद करते देखने के लिए उत्सुक हूं।'

विराट का रिकॉर्ड

विराट वनडे में भारत के दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 302 मैचों और 290 पारियों में 57.88 की औसत और 93 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 14,181 रन बनाए हैं, जिसमें 51 शतक और 74 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 183 है। इस साल सात वनडे मैचों में, इस सुपरस्टार ने सात पारियों में 45.83 की औसत से 275 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 100* है।

विराट का ऑस्ट्रेलियाई खेल परिस्थितियों से भी पुराना नाता है। उन्होंने 29 वनडे मैचों में 51.03 की औसत और 89 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 1,327 रन बनाए हैं, जिसमें 29 पारियों में 5 शतक और 6 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 133* है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी आखिरी पांच पारियां 54, 56, 85, 54 और 84 हैं। ऑस्ट्रेलिया में उनकी आखिरी पांच पारियां 104, 46, 21, 89 और 63 हैं।

डेनमार्क ओपन में लक्ष्य सेन, चिराग-सात्विक की जोड़ी करेगी भारतीय चुनौती की अगुवाई

नई दिल्ली। लक्ष्य सेन और देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी मंगलवार से शुरू हो रहे डेनमार्क ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे। लक्ष्य सेन ने पिछले साल पेरिस 2024 में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। उसके बाद से वह सीजन अब तक 10 बार पहले दौर से बाहर हो चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले महीने हांगकांग ओपन में रहा, जहां वे उपविजेता रहे। पुरुष एकल वर्ग में सेन के साथ आयुष शेट्टी भी होंगे। इस साल की शुरुआत में आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन 2025 में पुरुष एकल स्पर्धा का खिताब जीता था। पुरुष युगल ड्रॉ में छठी वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी पिछले महीने हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स में लगातार उपविजेता रहने के बाद अपने हालिया प्रदर्शन को और बेहतर करने के लिए उत्सुक होंगे। साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय ड्रॉ में शामिल अन्य भारतीय पुरुष युगल जोड़ी हैं। अनमोल खरब महिला एकल वर्ग में भारत की एकमात्र खिलाड़ी हैं और पिछले हफ्ते आकर्टिक ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ होगा। मिश्रित युगल में भारत की चुनौती का नेतृत्व ओलंपियन तनिषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला करेंगे। महिला युगल में भारत के लिए कविप्रिया सेल्वम-सिमरन सिंघी और रुतपर्णा पांडा-श्वेतापर्णा पांडा की जोड़ी मैदान में उतरेगी।

इसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है, अपने पहले टेस्ट शतक के बाद बोले कैंपबेल

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल सोमवार को यहां अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के बाद भावुक हो गए और कहा कि समझदारी से शॉट चयन करना उनके लिए कारगर रहा। फॉलोऑन खेलने के बाद कैंपबेल (155 रन, 199 गेंद में) और शाई होप (103 रन, 214 गेंद में) ने तीसरे विकेट के लिए 177 रन की साझेदारी की जिससे वेस्टइंडीज ने शानदार वापसी करते हुए मैच को पांचवें दिन तक खिंचने में सफल रहे। कैंपबेल ने कहा, 'इस पारी में मेरा शॉट चयन काफी सधा हुआ था। मुझे स्वीप खेलने में हमेशा से मजा आता है। शुक्र है, यह मेरे लिए कारगर रहा।' वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में 390 रन बनाये और भारत को 121 रनों का लक्ष्य दिया। स्टंप्स के समय भारत 2-0 की क्लीन स्वीप से 58 रन दूर था। कैम्पबेल इस तरह 23 साल बाद भारत में टेस्ट शतक बनाने वाले वेस्टइंडीज के पहले सलामी बल्लेबाज बन गये। उनसे पहले वेवेल हाइंड्स ने 2002 में ईडन गार्डन्स में शतक बनाया था। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने रविंद्र जडेजा की गेंद पर लांग ऑन पर छक्का लगाकर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने छक्का लगाकर शतक पूरा करने के बारे में पूछ जाने पर कहा, 'इस गेंद से पहले मैंने देखा कि जडेजा मिड-ऑन के क्षेत्ररक्षक को करीब बुला रहे है। ऐसे में मैंने क्षेत्ररक्षक के ऊपर से शॉट खेलने का मन बनाया।' उन्होंने कहा, 'मैं दूसरी पारी में टीम के लिए योगदान देखकर खुश हूं।'

पाकिस्तान की हॉकी खिलाड़ियों को सलाह, भारतीय खिलाड़ियों के साथ टकराव से बचें

लाहौर। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (PHF) ने अपनी राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों को सलाह दी है कि वे मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों के साथ किसी भी तरह के टकराव से बचें और मंगलवार को मलेशिया के जोहर बाहरू में सुल्तान जोहोर कप मैच के दौरान सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें। पहलगाम में आतंकी हमले के मद्देनजर भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही में संपन्न एशिया कप के मैचों के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था, जिसमें फाइनल भी शामिल था। इससे विवाद पैदा हो गया था और पाकिस्तान ने एशियाई क्रिकेट परिषद और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) में विरोध दर्ज कराया था। पूरी संभावना है कि भारतीय जूनियर हॉकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच में अपनी क्रिकेट टीम की तरह ही रवैया अपनाएगी। क्वास्त्र के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को भारतीय टीम की हाथ न मिलाने की नीति के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों से कहा गया है कि अगर भारतीय खिलाड़ी मैच से पहले या बाद में हाथ नहीं मिलाते हैं तो उन्हें अनदेखा कर देना चाहिए और आगे बढ़ जाना चाहिए। उन्हें खेल के दौरान किसी भी तरह के भावनात्मक टकराव से बचने के लिए भी कहा गया है।' पाकिस्तान ने अगस्त में बिहार के राजगीर में आयोजित पुरुष एशिया कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजी थी। अधिकारी ने कहा कि उन्होंने खिलाड़ियों से कहा है कि वे सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें।

विराट के बाद बाबर? टेस्ट क्रिकेट से बाहर होने की कगार पर पाकिस्तानी स्टार, पूर्व कप्तान ने उठाए सवाल

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज़ बाबर आज़म एक बार फिर आलोचनाओं के घेरे में हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में 43 गेंदों पर सिर्फ 28 रन बनाने के बाद पूर्व कप्तान पर सवाल उठने लगे हैं। तीन साल से घरेलू मैदान पर अर्धशतक न बनाने वाले बाबर की फॉर्म को लेकर अब यह चर्चा तेज़ है कि क्या वह भी विराट कोहली की तरह टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की राह पर हैं।

सलमान बट का तंज- 'बाबर घरेलू क्रिकेट से ऊपर नहीं हैं'

पूर्व पाकिस्तानी कप्तान सलमान बट ने अपने यूट्यूब चैनल पर बाबर आज़म की आलोचना करते हुए कहा कि खराब फॉर्म के बावजूद उन्होंने घरेलू लाल गेंद क्रिकेट खेलने से परहेज़ किया, जो उनकी गिरती फॉर्म की बड़ी वजह है। बट ने कहा, 'बाबर प्रथम श्रेणी मैच भी नहीं खेलना चाहता। यह बेरुखी साफ दिखाई दी। जो खिलाड़ी खेले, उन्होंने रन बनाए तो बाबर क्यों नहीं खेला? पहले ओवर में ही वह बहुत कमजोर लग रहे थे। हां, वह बड़ा खिलाड़ी है, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता आपको घरेलू क्रिकेट खेलना ही होगा। आप इससे ऊपर नहीं हैं।'

34 महीने से अर्धशतक का सूखा

बाबर आज़म का आखिरी टेस्ट शतक और अर्धशतक 2022 में आया था। तब से अब तक, उन्होंने 2024 में सिर्फ एक और 2025 में दो अर्धशतक लगाए हैं। लगातार नाकामी के चलते उनकी टीम में जगह पर भी सवाल उठ रहे हैं।

कोहली से तुलना- क्या बाबर भी वही रास्ता अपनाएंगे?

सलमान बट की टिप्पणी के बाद कई फैंस और विश्लेषक बाबर की तुलना विराट कोहली से करने लगे हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में लगातार असफलता के बाद जनवरी 2025 में टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास लेकर सबको चौंका दिया था। दिलचस्प बात यह है कि कोहली ने अपने रिटायरमेंट से ठीक पहले दिल्ली के लिए एक घरेलू मैच खेला था जो बाबर नहीं कर रहे।

क्या बाबर का टेस्ट करियर भी ढलान पर है?

बाबर की फॉर्म और रवैये पर उठ रहे सवालों ने यह चर्चा तेज़ कर दी है कि क्या पाकिस्तान चयन समिति जल्द ही उन्हें टेस्ट टीम से बाहर कर सकती है। उनके प्रदर्शन में लगातार गिरावट और घरेलू क्रिकेट से दूरी यह संकेत देती है कि बाबर का टेस्ट करियर अब निर्णायक मोड़ पर है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्यों होती है बेचैनी

आपाधापी व कोलाहल से परिपूर्ण इस युग में उत्तेजना या बेचैनी की शिकायत एक आम बात है। एक अध्ययन के अनुसार 20 से 34 फीसदी लोग इस शिकायत से ग्रस्त हैं।

लक्षण

उत्तेजना या बेचैनी जैसी शिकायत में व्यक्ति किसी भी काम को शुरू करने से पहले ही घबराने लगता है। उसका दिल तेजी से धड़कने लगता है, हाथ-पैरों में थरथराहट होती है और पेट में हलचल महसूस होती है। इस रोग का सीधा संबंध हमारे शरीर के तंत्रिका तंत्र से होता है। उत्तेजना से संबंधित दो तरह की बीमारियां प्राय: ज्यादातर लोगों में पाई जाती हैं।

कुछ अनजाने डर

इसे चिकित्सकीय भाषा में 'पैनिक डिसार्डर' भी कहते हैं। इस मर्ज में रोगी बिना किसी कारण के उलझन महसूस करने लगता है। मानो उसकी सांसें रुक जाएंगी और दिल जोर से धड़कने लगता है और उसे घुटन-सी महसूस होने लगती है। ऐसे रोगी भीड़भाड़ वाली जगह पर नहीं जाते, उन्हें लिफ्ट पर चढ़ने में डर लगता है कि कहीं लिफ्ट न गिर जाए। इसी प्रकार की एक दूसरी समस्या को चिकित्सकीय भाषा में सामान्य उत्तेजना गड़बड़ी (जनरल एंग्जाइटी डिसार्डर) कहते हैं। इस रोग में रोगी दिन-भर घबराता रहता है। वह मामूली आहट से भी सहम जाता है। इस वजह से उसे नींद नहीं आती है और उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है।

उपचार

इस तरह की मानसिक बीमारियों के उपचार के लिए अब यूएसएफडीए एप्रूव्ड जैसी कई प्रभावशाली दवाएं उपलब्ध हो चुकीं हैं। इन दवाओं के सेवन से 12 से 15 सप्ताह के अन्दर रोगी पूर्णत: स्वस्थ हो जाता है, इसके साथ ही रोगी को मनोचिकित्सकीय परामर्श भी दिया जाता है।

जीभ का स्वाद बिगड़ जाए तो...

- राई - पानी में 10 ग्राम राई को डालकर उबाल लें। इस पानी से प्रतिदिन सुबह-शाम कुल्ला करने से जीभ का स्वाद ठीक हो जाता है।
- नौसादर - 5 ग्राम नौसादर और 5 ग्राम कालीमिर्च को पीसकर इसमें शहद मिलाकर जीभ पर रगड़ें तथा लार को बाहर गिरने दें। इससे जीभ की कड़वाहट दूर हो जाती है।
- दालचीनी - जीभ पर कड़वाहट महसूस होने पर दालचीनी या बच को पीसकर और छानकर इस चूर्ण में शहद मिलाकर सेवन करने से जीभ की कड़वाहट दूर हो जाती है।
- अमलतास - 20 ग्राम अमलतास के गूदे को 250 ग्राम गर्म दूध में मिलाकर कुल्ला करें। इससे अफीम तथा कोकीन के सेवन करने के कारण खराब हुआ जीभ का स्वाद फिर से ठीक हो जाता है।

पोस्टपार्टम अवसाद और 'बेबी ब्लू', दोनों ही स्थितियां एक दूसरे से अलग हैं, इन दोनों प्रकार के अवसाद के लक्षण भिन्न है। 'बेबी ब्लू' प्रसव पूर्व होने वाली ऐसी अवस्था है, जो सबसे सामान्य है और हर तीन में से एक महिला में यह स्थिति पाई जाती है। प्रसव के बाद कुछ हफ्तों में शरीर में हुए हार्मोनल परिवर्तन की वजह से ये विकार होता है। प्रसव के बाद नई मां अक्सर भावनात्मक रुप से संवेदनशील हो जाती है, कुछ ही क्षण में वह खुश हो जाती है और अगले कुछ क्षणों में दुखी। 'बेबी ब्लू' विकार से और भी समस्याएं आ सकती हैं, लेकिन इससे आमतौर पर एक मां की जिम्मेदारी और कार्य में हस्तक्षेप नही होता और कुछ सप्ताह बाद यह बीमारी खत्म हो जाती है।

पोस्टपार्टम अवसाद एक अलग स्थिति है। यह समस्या प्रसव के पहले, दूसरे या तीसरे महीनों में किसी भी समय शुरू हो सकती है। इसमें दु:ख और निराशा महसूस होती है या व्यक्ति कभी-कभी खुद को बेकार और दोषी मानता है। नई मां किसी भी कार्य या बात में एकाग्रता या रुचि लेने मे असमर्थ हो जाती है, यहां तक कि बच्चे की जरूरतों को भी पूरा नहीं कर पाती। कुछ मामलों में बच्चों की जरूरतों को लेकर वो अति व्याकुल भी हो सकती है। वह बहुत चिंतायुक्त, संवेदनशील बन जाती है और उसके मन में इस तरह के परेशान करने वाले विचार बार-बार आने से उसको बच्चे के स्वास्थ्य की भी चिंता होने लगती है। ऐसे में नई मां बार-बार एक ही कार्य करती है, जैसे बच्चे कि बार-बार जांच करती है या फिर लगातार बच्चों के चिकित्सक को फोन करके सवाल पूछती है।

इस विकार के कुछ दुर्लभ मामलों में, लगभग 1000 में से 1 मामले में इस विकार वाली महिला (साइकोटिक) मनोरोगी बन जाती है। जिसमें वह वास्तविकता की पहचान करने में असमर्थ होती है। इस स्थिति को कभी-कभी पोस्टपार्टम मनोविकृति कहा जाता है। इस विकार में मां को मतिभ्रम होता है (जैसे ऐसी आवाजें या महक आना जो वहां नही है) या झूठे भ्रम होना (जैसे उनके बच्चे को शैतान ने पकड़ लिया है) इस प्रकार की हालत मां और बच्चे दोनों के लिए खतरनाक है और अगर ये विकार एक बार हुआ है तो उसकी दूसरे बच्चे के दौरान होने की संभावना ज्यादा होती है।

पोस्टपार्टम अवसाद 10 में से 1 नई मां में होता है। एक महिला में प्रसव के बाद ये अवसाद हो सकता है, अगर उसमें निम्नलिखित लक्षण हो-

- अगर उस महिला मे पहले से अवसाद इतिहास है।
- पहली गर्भावस्था के दौरान अवसाद हुआ हो।
- शादीशुदा जिंदगी में परेशानी, मित्रों या परिवार मे सहायक सदस्यों की कमी।
- अपने नए शिशु की देखभाल के लिए कठिनाई, खासकर अगर बच्चे को गंभीर चिकित्सा समस्याएं हैं।
- किशोर माताओं, खासकर यदि वे गरीब आर्थिक संसाधनों वाले परिवारों से हैं।
- इस तरह के लक्षणो वाली महिलाओ मे पोस्टपार्टम अवसाद कि विशेष रूप से उच्च जोखिम होती है।

आधे से भी कम महिलाएं जिनको पोस्टपार्टम अवसाद होता है, वो उनकी समस्याओं के लिये चिकित्सा कराती है।

कुछ महिलाएं इस बात से अनजान होती की उनको पोस्टपार्टम अवसाद है और वह इलाज से ठीक हो सकता है। कुछ महिलाएं ऐसा सोचती है की उनको तो एक बच्चा होने के बाद खुश होना चाहिये फिर उनको उदासी क्यों हो रही है, इस तरह के अजीब लक्षणों से उनको शर्मिंदगी होती है और वी किसी से मदद भी नहीं ले पाती।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचाव

प्रसव के तुरंत बाद की अवधि को पोस्टपार्टम कहते है। इस अवधि के दौरान एक औरत में अवसाद के लक्षण दिखते है और इसीलिए इसे पोस्टपार्टम (प्रसव के पश्चात आने वाला) अवसाद कहा जाता है।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन के लक्षण

एक महिला जिसको पोस्टपार्टम अवसाद है, उसमें निम्नलिखित लक्षणों में से कोई भी लक्षण हो सकते हैं-

- टीयर फुलनेस निराश लगना और रोना आना।
- कभी-कभी बच्चे के सुरक्षा को ले के सनकी, मजबूर या बेचैन होना।
- कभी बच्चे को संभालने की जिम्मेदारी को ले के खुद को सक्षम ना समझना।
- खुद को निकम्मा, बेकार या दोषी समझना।
- अतिसंवेदनशिल होना या दबाव महसूस होना।
- सभी गतिविधियों में से रुचि चली जाना या किसी बात पर आनंद होना एक मां होने पर भी आनंद ना होना।
- भूख में परिवर्तन (या तो ज्यादा खाना या आहार में कमी होना)।
- नींद में समस्या (नींद ना लगना, या जल्दी जाग जाना)।
- उत्तेजित दिखना या अत्यंत धीमा होना।
- सामान्य से बहुत थकान होना, जो एक बच्चे में सामान्य है।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचाव

यदि आप गर्भवती हैं, तो आपके जीवन शैली में मातृत्व के बाद होने वाले बदलावों की पहले ही तैयारी करके खुद को पोस्टपार्टम अवसाद के जोखिम से बचाने मे सक्षम किया जा सकता है। आप दूसरी माताओ या डॉक्टरों से बात करके नवजात शिशु की देखभाल के बारे मे पूछ सकती हैं और इसमें कोई संकोच की बात नहीं। अगर आपको नवजात शिशु और आप में योग्य तालमेल निर्माण होने में समय लगता है तो आपको अपने साथी या डॉक्टर, जिनको आपकी परवाह है, उनसे मदद लेने में संकोच नही करना चाहिए। अक्सर, जिनमें पोस्टपार्टम अवसाद का एक इतिहास है उनके लिए अवसाद के एण्टीडिप्रेसेंट उपचार के बिना मुकाबला करना मुश्किल होता है। इसलिए प्रसूति के तुरंत बाद डॉक्टर एण्टीडिप्रेसेंट दवा देना शुरू कर सकते हैं। इसके बारे में आपको पहले ही डाक्टर से बात करना चाहिए। एक सामान्य नियम के रूप में डॉक्टरों को दवा की राशि गर्भावस्था के दौरान कम से कम निर्धारित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कभी-कभी अवसाद का जोखिम भ्रूण के जोखिम से भी अधिक महत्वपूर्ण होता है। इसलिए यह बहुत ही जरूरी है कि आप अपने डॉक्टर के साथ इन बातों पर चर्चा करें।

चिकित्सा के नए आयाम

एलोपैथी आज दुनिया-भर में सर्वाधिक प्रचलित चिकित्सा प्रणाली है। नित नई औषधि-तत्वों की खोज हो रही है। ज्यादातर दवाओं के गंभीर दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। ऐसे में लोगों का रुझान सैकड़ो वर्षों से व्यवहृत और निरापद चिकित्सा पद्धतियों की तरफ देखा जा रहा है।

धब्बेदार अध :पतन

धब्बेदार अध :पतन एक कठिन रोग है और वह एक नंबर के हैं। एफडीए इलाज को मंजूरी दी गई है। कई तरीकों से काम धीमा करने के लिए, रोक या धब्बेदार अध :पतन के प्रभाव को रिवर्स, कोई भी एक निर्णायक इलाज का परिणाम विश्वसनीय होता है। अध : पतन की जगह लेने के लिए कई परीक्षण हो रहे हैं। इनका उपचार किसी भी हालत के लिए उपयुक्त हो सकता है, अपने नेत्र चिकित्सक के साथ चर्चा करके ठीक तरह से उपचार कर सकते हैं। इसकी स्थिति सक्रिय होती है। धब्बेदार अध : पतन का व्यवहार शुष्क रहता है। यह इंजेक्शन के माध्यम से प्राप्त होता है।

लाभ

अध : पतन प्रोस्टाग्लैंडीन है, इससे रक्त प्रवाह, रेटिना के बीच रक्त प्रवाह के लिए प्रयोग किया जाता है। इस प्रकार से कोशिकाओं की रक्षा में मदद करता है।

चमत्कारिक पुष्प औषधि रेस्क्यू रेमेडी

कैसे हुई खोज

रेस्क्यू रेमेडी चिकित्सा पद्धति के आविष्कारक रहे हैं डॉ. एडवर्ड बेच जो लन्दन में प्रमुख एलोपैथिक डॉक्टर थे। इस चिकित्सा पद्धति से असन्तुष्ट होने से उन्होंने होम्योपैथिक डिग्री प्राप्त की और होम्योपैथिक पद्धति से चिकित्सा कार्य करना शुरू किया, लेकिन शीघ्र ही वे होम्योपैथिक पद्धति से भी असन्तोष का अनुभव करने लगे और किसी और भी सरल लेकिन सफल चिकित्सा पद्धति की खोज में लग गये। प्रकृति का अध्ययन करते हुए उनका ध्यान फूलों की तरफ गया। उन्होंने विचार किया कि स्वभावत : मनुष्य का मन फूलों की तरह कोमल होता है और मूलत : मनुष्य का अन्तर्मन सौम्य, सरल और भावुक होता है। इसका यह प्राकृतिक रूप मन के जिन छह शत्रुओं से बनता या बिगड़ता है, उनके नाम हैं काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह और मत्सर। इन्हीं विकारों के प्रभाव से मनुष्य अपना प्राकृतिक स्वरूप याने स्वाभाविक अवस्था खो देता है। स्वाभाविक अवस्था का होना स्वास्थ्य है और इसे खो देना अस्वास्थ्य है, रोग है। मनुष्य की स्वाभाविक अवस्था फूलों के समान है और यदि यह अवस्था बिगड़ जावे तो

चिकित्सा के क्षेत्र में जो विभिन्न पद्धतियां प्रचलित हैं, उनमें एक नाम बेच प्लावर रेमेडीज का भी मौजूद है। इसे रेस्क्यू रेमेडी भी कहते हैं। इस पद्धति की दवाएं चोट लगने की स्थिति में कारगर होती हैं। इनका संक्षिप्त परिचय आइए, जानते हैं।

इसे सुधारने के लिये फूलों का प्रयोग किया जा सकता है।

सन 1930 से 1936 तक के 6 वर्ष डॉ. एडवर्ड बेच ने इसी खोज में गुजार दिये और हजारों फूलों पर रिसर्च करने के बाद 38 प्रकार के फूलों को मनुष्य के विकारों को दूर करने में सक्षम पाया और इन 38 प्रकार के फूलों से उन्होंने 38 दवाइयां बनाईं, जो इन्हीं डॉ. के नाम से बेच फ्लावर रेमेडीज के नाम से जानी जाने लगीं। इन 38 दवाओं में से 5 दवाइयां मिलाकर जो 39वीं दवा बनाई गई, उसका नाम रेस्क्यू रेमेडी रखा गया, क्योंकि यह दवा किसी भी खतरनाक और गम्भीर स्थिति से छुटकारा (रेस्क्यू) दिलाने वाली है। इन पांचों दवाइयों की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है-

राकरोज

यह दवा किसी भी दुर्घटना के कारण मन में जो डर या दहशत बैठ जाती है, उसके असर को दूर करती है। जब किसी भी दुर्घटना के कारण मन में इतना डर बैठ जाए कि हर समय वही घटना आंखों के सामने घूमती रहे तो यह दवा बहुत अच्छा काम करती है और मनुष्य शीघ्र ही सामान्य मानसिक अवस्था में आ जाता है।

स्टार ऑफ बेथलहम

यह दवा मानसिक आघात के असर को दूर करती है। कभी-कभी किसी दुर्घटना में शरीर के भीतर अन्दरुनी चोट लगती है, जिसका तत्काल पता नहीं चलता, पर बाद में शरीर में कष्ट पैदा हो जाता है। कई बार ऐसी किसी घटना का मन पर ऐसा गहरा असर होता है कि कई वर्ष गुजर जाने पर भी उसका असर नहीं जा पाता। उस स्थिति में यह दवा पूर्ण सकारात्मक प्रभाव मनुष्य के मन-मस्तिष्क पर करती है।

क्लेमेटिस

जब किसी दुर्घटना के कारण कोई बेहोश हो जाए या अस्वाभाविक रूप से सो जाए, बेसुध हो जाए या कोई ख्याली पुलाव पकाता रहता हो तो यह दवा उसे सामान्य मानसिक अवस्था में ले आती है।

इम्पेशेंस

किसी दुर्घटना के बाद की उत्तेजित अवस्था और चिड़चिड़ेपन की स्थिति इस दवा के सेवन से दूर हो जाती है।

बाल सफेद हो रहे हों तो...

एक चम्मच भर आंवला चूर्ण दो घूंट पानी से सोते समय अंतिम वस्तु के रूप में लें। असमय बाल सफेद होने और चेहरे की कान्ति नष्ट होने पर जादू का सा असर करता है। (साथ ही स्वर को मधुर और शुद्ध बनाता है तथा गले की घर-घराहट भी इससे ठीक हो जाती है।

एक और उपाय है

आंवला चूर्ण का लेप - सूखे आंवलों के चूर्ण को पानी के साथ लेई बनाकर इसका खोपड़ी पर लेप करने तथा पांच दस मिनट बाद केशों को जल से धो लेने से बाल सफेद होने और गिरने बन्द हो जाते है।

आंवला जल से सिर धोएं

25 ग्राम सूखे आंवलों को मोटा कूटकर किए हुए टुकड़ों को 250 ग्राम पानी में रात को भिगो दें। प्रात : फूले हुए आंवलों को कड़े हाथ से मसलकर सारा जल पतले स्वच्छ कपड़े से छान लें। अब इस निथरे हुए जल को केशों की जड़ों में हल्के-हल्के अच्छी तरह मलिए और दस बीस मिनट बाद केशों को सादे पानी से धो डालिए। रूखे बालों को सप्ताह में एक बार और चिकने बालों को सप्ताह में दो बार धोना चाहिए।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बुलेट रेल परियोजना प्रगति पर: केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिलिमोरा स्टेशन का किया निरीक्षण

ट्रैक बिछाने का कार्य उन्नत चरण में, आधुनिक सुविधाओं और हरित तकनीकों से सुसज्जित होगा स्टेशन परिसर

अहमदाबाद

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के निर्माणाधीन बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन का दौरा किया। उनके साथ वलसाड के सांसद धवल पटेल और गणदेवी के विधायक नरेश पटेल भी थे। इस दौरान, मंत्री ने बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन पर चल रहे निर्माण और ट्रैक बिछाने के कार्यों की समीक्षा की।

बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन

बिलिमोरा शहर आम के बागानों के लिए प्रसिद्ध है। स्टेशन के फसाड का डिज़ाइन आम के बागानों से प्रेरित है, जो शहर की प्राकृतिक सुंदरता और स्थानीय पहचान को प्रतिबिंबित करता है। आंतरिक और प्लेटफ़ॉर्म क्षेत्र को पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी और वेंटिलेशन के साथ डिज़ाइन किया गया है। फॉल्स सीलिंग को एंटी-वाइब्रेशन हैंगर से लगाया गया है ताकि ट्रेनों की तेज गति से होने वाले कंपन का असर फिटिंग्स पर न पड़े।

स्टेशन आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित है, जैसे कि वेटिंग लाउंज, नर्सरी, शौचालय, रिटेल आउटलेट आदि। विभिन्न स्तरों पर सहज आवागमन के लिए कई लिफ्ट और एस्केलेटर लगाए जा रहे हैं, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों, विकलांगों और बच्चों वाले परिवारों की आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।

स्टेशन परिसर में हरियाली और ताजगीपूर्ण वातावरण बनाने के लिए पौधारोपण किया जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ ज़ोन, बसों, कारों और दोपहिया वाहनों के लिए अलग पार्किंग, ईवी पार्किंग आदि की योजना बनाई गई है।

सुविधा और स्थिरता को मिलाते हुए, स्टेशन में IGBC (इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल) की कई विशेषताएँ शामिल की गई हैं, जैसे कि पानी का कुशल उपयोग, वर्षा जल संचयन, लो-फ्लो सैनिटरी फिटिंग्स, आंतरिक हिस्सों में कम गर्मी प्रवेश, कम वाष्पशील कार्बनिक यौगिक वाले पेंट आदि।

बिलिमोरा के पास केसली गाँव में, नवसारी जिले की अंबिका नदी के किनारे स्थित, यह स्टेशन विभिन्न परिवहन माध्यमों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है:

- बिलिमोरा रेलवे स्टेशन: 6 कि.मी.
- बिलिमोरा बस डिपो: 6 कि.मी.
- राष्ट्रीय राजमार्ग NH-360: 2.5 कि.मी.

स्टेशन की मुख्य विशेषताएँ:

- कुल निर्मित क्षेत्रफल: 38,394 वर्ग मीटर
- स्टेशन भवन में दो स्तर शामिल हैं:
  - ग्राउंड कम कांसॉर्स स्तर: पार्किंग, पिक-अप/ड्रॉप-ऑफ, पैदल यात्री प्लाज़ा, सुरक्षा जांच चौकियां, वेटिंग लाउंज, शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर, सीढ़ियाँ, कियोस्क, टिकटिंग काउंटर आदि।
  - प्लेटफ़ॉर्म स्तर: दो प्लेटफ़ॉर्म और चार ट्रैक
  - हाई-स्पीड ट्रेनों के लिए 425 मीटर लंबा प्लेटफ़ॉर्म

स्टेशन की प्रगति

रेल और प्लेटफ़ॉर्म स्लैब कास्टिंग का कार्य तथा बिल्डिंग में स्ट्रक्चरल स्टील का कार्य पूरा हो चुका है। आर्किटेक्चरल फिनिशिंग और MEP (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लम्बिंग) कार्य वर्तमान में प्रगति पर हैं।

बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन का ट्रैक निर्माण कार्य

बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशन पर आरसी ट्रैक बेड निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुके हैं और रेल लेइंग कार (RLC) का उपयोग करके अस्थायी ट्रैक की स्थापना सक्रिय रूप से प्रगति पर है।

रेल लेइंग कार ट्रैक कंस्ट्रक्शन बेस (TCB) से 200-मीटर वेल्डेड रेल पैनलों को स्थापना स्थल तक ले जाने की सुविधा प्रदान करती है, जिससे रेल पैनलों को यांत्रिक रूप से संभालने और रखने में आसानी होती है और मानवीय हस्तक्षेप न्यूनतम होता है।

320 कि.मी./घंटा की गति पर ट्रेनों के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सर्वेक्षण की सटीकता को सर्वोच्च महत्व दिया जाता है। उच्चतम विश्वसनीयता और सटीकता वाले अत्याधुनिक सर्वेक्षण उपकरण तैनात किए जाते हैं, और सभी सर्वेक्षण चरणों का बहु-स्तरीय सत्यापन किया जाता है। मामूली निर्माण भिन्नताओं की प्रभावी भरपाई के लिए रेफरेंस पिन (reference pin) सर्वे और रिग्रेशन एनालिसिस विधियों को अपनाया जाता है।

बिलिमोरा स्टेशन में दो लूप लाइनें हैं, जिनमें चार 18 में से 1 टर्नआउट्स मूवेबल क्रॉसिंग्स के साथ और दो 18 में से 1 क्रॉसओवर्स शामिल हैं। मुख्य लाइन 12 में से 1 टर्नआउट के माध्यम से शाखाबद्ध होती है ताकि

कन्फर्मेशन कार बेस को समायोजित किया जा सके।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति (10 अक्टूबर 2025 तक)

भारत का पहला 508 कि.मी. लंबा बुलेट ट्रेन कॉरिडोर मुंबई और अहमदाबाद के बीच निर्माणाधीन है।

- 508 कि.मी. में से, 325 कि.मी. वायाडक्ट और 400 कि.मी. पियर का काम पूरा हो चुका है
- 17 नदी पुल, 05 क्क्ष्ट (प्रि-स्ट्रेस्ड कंक्रीट) ब्रिज और 10 स्टील ब्रिज पूरे हो चुके हैं
- 216 कि.मी. क्षेत्र में 4 लाख से अधिक नॉइज़ बैरियर लगाए गए हैं
- 217 ट्रैक कि.मी. ऋष्ट ट्रैक बेड का निर्माण पूरा हो चुका है
- लगभग 57 रूट कि.मी. में 2300 से अधिक ह॥श्व मास्ट लगाए जा चुके हैं
- पालघर जिले में 07 पहाड़ी सुरंगों पर खुदाई का काम प्रगति पर है
- BKC और शिलफाटा (महाराष्ट्र) के बीच 21 कि.मी. टनल में से 5 कि.मी. NATM टनल की खुदाई हो चुकी है
- सूरत और अहमदाबाद में रोलिंग स्टॉक डिपो का निर्माण प्रगति पर है
- गुजरात के सभी स्टेशनों पर सुपरस्ट्रक्चर का कार्य उन्नत चरण में है। महाराष्ट्र में तीनो एलिवेटेड स्टेशन का कार्य शुरू हो गया है तथा मुंबई अंडरग्राउंड स्टेशन पर बेस स्लैब कास्टिंग प्रगति पर है

करोड़ों खर्च के बाद भी साफ नहीं हो सकी गोमत नदी!

20 लाख लोगों को नदी से मिलता है 320 एमएलडी कच्चा पानी

लखनऊ लखनऊ में बहने वाली गोमती नदी शहर की जीवनरेखा है, लेकिन प्रदूषण के कारण इसकी स्थिति चिंताजनक हो गई है। करीब 20 लाख लोगों को 320 एमएलडी कच्चा पानी नदी से मिलता है। गोमती बैराज के पास पानी का स्तर बनाए रखने के लिए पानी का बहाव रोका जाता है। नदी में 39 नाले गिरते हैं, जिनमें से 13 नाले बिना ट्रीटमेंट या आंशिक ट्रीटमेंट के सीवेज सीधे नदी में डालते हैं, जिससे पानी काला और जहरीला हो गया है। 2010 से 2025 तक गोमती नदी को स्वच्छ बनाने के लिए करीब 2,500 करोड़ रुपये खर्च किए गए। 2011 में भरवारा और दौलतगंज में बड़े एसटीपी बनाए गए, लेकिन नालों पर पंप काम नहीं कर रहे हैं और सीवेज पंपिंग स्टेशन से सही तरीके से सीवेज एसटीपी तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसके कारण सीवेज अभी भी सीधे नदी में गिरता है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के प्रमुख प्रो. वेंकटेश दत्ता और गोमती टास्क फोर्स के मेजर केएस नागी ने नदी में गिरने वाले नालों का सर्वे किया। हैदर कैनाल, कुकरैल नाला और घसियारी मंडी नाले में कूड़ा-कचरा सीवेज सीधे नदी में पहुंच रहा है। नगर निगम भी नदी किनारे कूड़ा फेंकता रहा है, जिससे प्रदूषण और बढ़ा है। गोमती नदी की स्थिति सुधारने के लिए विभागों को अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए प्रभावी कार्यवाही करनी होगी। नालों और सीवेज प्रणाली की सही देखरेख, कूड़ा निस्तारण और जागरूकता अभियान के साथ-साथ पानी की गुणवत्ता पर कड़ी निगरानी जरूरी है, तभी गोमती को फिर से स्वच्छ और जीवनदायिनी बनाया जा सकेगा।

अकाली दल के जगदीप सिंह चीमा बीजेपी में शामिल

चंडीगढ़ पंजाब की राजनीति से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार शिरोमणि अकाली दल को फिर बड़ा झटका लगा है। दरअसल, सीनियर नेता जगदीप सिंह चीमा ने अकाली दल पार्टी छोड़ दी है। यही नहीं वे सोमवार को बीजेपी में शामिल भी हो गए हैं। गौरतलब है कि, चीमा की 4 पीढ़ियां शिरोमणि अकाली दल के साथ जुड़ी हुई है। यही नहीं उनके पिता रणधीर सिंह चीमा 3 बार पंजाब में कैबिनेट मंत्री रहें हैं। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को ही सीनियर नेता जगदीप सिंह चीमा को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पार्टी में शामिल करवाया। इस दौरान उनके अलावा बीजेपी कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी मौजूद रहे।

पीके कर सकते हैं उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी, महागठबंध में फंसा है पेंच

पटना बिहार चुनाव को लेकर एनडीए में सीट बंटवारा हो गया है लेकिन कई सहयोगी नाराज भी दिख रहे हैं वहीं महागठबंधन के बीच सीट बंटवारे की खींचतान जारी है। इसी बीच जनसुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर सोमवार को उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक दूसरी सूची में 100 उम्मीदवारों के नाम शामिल होने की संभावना है। बता दें जनसुराज ने इससे पहले 51 प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया था। प्रीति किन्नर को गोपालगंज जिले की भोरे से, भोजपुरी गायक रितेश पांडे को करगहर से टिकट दिया गया है। इनके अलावा दरभंगा सदर विधानसभा सीट से आरके मिश्रा, सहरसा शहर विधानसभा सीट से किशोर मुन्ना, छपरा शहर विधानसभा सीट से पूर्व एडीजी जेपी सिंह, इमामगंज विधानसभा सीट से अजीत राम, कुम्हार विधानसभा सीट से केसी सिन्हा, मांझी विधानसभा सीट से वाईवी गिरि को टिकट दिया है। वहीं महागठबंधन में अभी सीट बंटवारे को लेकर पेंच फंसा है। सीट बंटवारे में एनडीए ने महागठबंधन को पीछे छोड़ दिया है।

शिक्षा की शुरुआत जिज्ञासा और खुलकर सोचने से होती है

राहुल गांधी ने छात्रों के साथ हुई बातचीत का वीडियो किया शेयर

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा की शुरुआत जिज्ञासा और खुलकर सोचने से होती है। हमें ऐसा माहौल चाहिए, जहां बच्चे बिना किसी डर या दबाव के सवाल पूछ सकें। शिक्षा कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह स्वतंत्रता की असली नींव है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हर बच्चे को सीखने और सोचने की आजादी मिलनी चाहिए। ये केवल अमीर या कुछ लोगों तक सीमित न रहे। भारत को लोकतांत्रिक माहौल में आगे बढ़ने वाली एक नई मैन्युफैक्चरिंग व्यवस्था बनानी होगी। इसके लिए अमेरिका या पेरू जैसे देशों के साथ साझेदारी फायदेमंद होगी।राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दक्षिण अमेरिकी देश पेरू की पॉन्टिफिकल कैथोलिक यूनिवर्सिटी और चिली यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ हुई बातचीत का 12 मिनट 19 सेकेंड का वीडियो शेयर किया। इसमें शिक्षा, लोकतंत्र और दुनिया की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर उन्होंने चर्चा की। बता

दें राहुल गांधी पिछले दिनों 10 दिन की दक्षिण अमेरिकी देशों कोलंबिया, ब्राजील, पेरू और चिली की यात्रा पर गए थे। यहां उन्होंने कई यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रमों में भारत और विश्व की राजनीति, शिक्षा समेत कई मुद्दों पर चर्चा की थी। ऐसी ही एक बातचीत का वीडियो फुटेज उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया है।

योगी के मंत्री राजभर का ऐलान....बीजेपी ने नहीं निभाया गठबंधन धर्म

बिहार में अपने दम पर उतरेगी पार्टी

लखनऊ

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के प्रमुख और उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने एनडीए पर गठबंधन धर्म नहीं निभाने का गंभीर आरोप लगाया है।

उन्होंने बिहार चुनाव के लिए एनडीए से 4-5 सीटें माँगी हैं और ऐसा न होने पर गठबंधन तोड़कर सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की चेतावनी दी है। राजभर ने कहा है कि उनकी पार्टी बिहार में एक मोर्चा बनाएगी और सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने बताया कि पहले चरण की 52 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम तय हो गए हैं।

एसबीएसपी 153 सीटों पर चुनाव लड़ने पर विचार कर रही है। राजभर की असंतुष्टि एनडीए द्वारा बिहार विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे के फॉर्मूले की आधिकारिक घोषणा के बाद सामने आई है। भाजपा और जेडी(यू) 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) 29 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) छह-छह सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। इस बंटवारे में एसबीएसपी को कोई सीट नहीं दी गई है। बात दें कि बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी। यह मुकाबला भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए और जेडी(यू) तथा आरजेडी के तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक के बीच होगा।

जम्मू-कश्मीर की 4 राज्यसभा सीट पर चुनाव नहीं लड़ेगी कांग्रेस............नेंका पर सुरक्षित सीट नहीं देने का आरोप

जम्मू

जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा ने कहा कि उनकी पार्टी 24 अक्टूबर को केंद्र शासित प्रदेश की 4 सीटों के लिए होने वाले राज्यसभा चुनाव नहीं लड़ेगी, क्योंकि गठबंधन सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उन्हें सुरक्षित सीट देने से इंकार किया है। पार्टी नेताओं की मैराथन बैठक के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कर्रा ने कहा कि सर्वसम्मति से यह तय हुआ है कि कांग्रेस राज्यसभा चुनाव नहीं लड़ेगी। कर्रा ने बताया कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने उन दो राज्यसभा सीटों में से एक मांगी थी जिन पर अलग-अलग चुनाव होने वाले हैं, लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस ने पार्टी को उन दो सीटों में से एक की पेशकश की, जिन पर एक ही अधिसूचना के तहत चुनाव होने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि इस बात को ध्यान में रखकर (बैठक में) सभी प्रतिभागियों की राय थी कि चौथी सीट, पहली या दूसरी सीट की तरह सुरक्षित नहीं है। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि हम चौथी सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतरने वाले है। कर्रा ने कहा कि हम यह अपने गठबंधन सहयोगियों पर छोड़ देते हैं कि वे इस बारे में क्या सोचते हैं।

उन्होंने कहा कि चूँकि हमें सुरक्षित सीट नहीं दी गई, इसलिए हम चौथी सीट पर चुनाव नहीं लड़ना चाहते। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राज्यसभा चुनाव के लिए अपने तीन उम्मीदवारों के नाम पहले ही घोषित किए हैं, जिससे संकेत मिलता है कि वह विधानसभा में अपनी ताकत का इस्तेमाल तीनों उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए करेगी।

हालांकि नेशनल कॉन्फ्रेंस के तीनों उम्मीदवारों को गठबंधन सहयोगियों के समर्थन के बिना भी जीत का भरोसा है, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन के चौथे उम्मीदवार को क्लीन स्वीप सुनिश्चित करने के लिए भाजपा विरोधी हर वोट की जरूरत होगी। पीडीपी के तीन विधायकों, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, अवामी इत्तेहाद पार्टी और आप के एक-एक विधायक को चौथी सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार को वोट देना होगा।

सीट बंटवारे से हो गया साफ अब बिहार में नीतीश नहीं बड़े भाई की भूमिका में : मनोज कुमार झा

जेडीयू को सोची-समझी रणनीति के तहत खत्म कर रही बीजेपी

पटना

बिहार चुनाव से पहले, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता मनोज कुमार झा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लगातार बड़े भाई होने के दावों के बावजूद, उनके अपने ही लोगों ने उनकी भूमिका को कम कर दिया है। राजद नेता झा ने बताया कि मैं इस सीट बटंवारे को 142 और 101 के रूप में देख रहा हूँ। भाजपा+ 142 है और जदयू 101 है... नीतीश कई सालों से भाजपा को कहते आ रहे हैं कि हम बड़े भाई हैं। बड़े भाई की पूरी भूमिका को उनके अपने ही लोगों ने बड़ी ही बारीकी से खत्म कर दी है।

इसके एक दिन पहले, राजद नेता मृत्युंजय तिवारी ने दावा किया था कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के भीतर सब कुछ ठीक नहीं है और भाजपा जदयू को खत्म कर मुख्यमंत्री नीतीश की कुर्सी छीन लेगी। राजद प्रवक्ता तिवारी ने कहा, यह साफ है कि एनडीए में सब कुछ ठीक नहीं है। हम कहते रहे हैं कि भाजपा, जदयू को खत्म कर देगी। अभी तक जदयू बड़े भाई की भूमिका में थी, लेकिन अब जदयू को उसी स्तर पर ला दिया गया है। चिराग और भाजपा ने 130 सीटें ले ली हैं। अब चुनाव के बाद भाजपा, जदयू को खत्म करके मुख्यमंत्री की कुर्सी ले लेगी। जीतन बाबू मांझी पंद्रह सीटों के लिए गिड़गिड़ा रहे थे। उन्हें छह सीटें दी गई हैं। उपेंद्र कुशवाहा भी बड़ी माँगें कर रहे थे, लेकिन उनका भी यही हश्र हुआ। भाजपा ने छोटे दलों को खत्म करने का फॉर्मूला निकाला। अब लगता है कि भाजपा जदयू को खत्म करने पर मजबूर करेगी।

राजद नेता तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने हर घर में एक नौकरी देने का वादा किया है। महागठबंधन के सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर उन्होंने कहा कि इसकी घोषणा बहुत जल्द होगी। उन्होंने कहा, हमारी सीट बंटवारे की रूपरेखा करीब तय हो चुकी है और हमें विश्वास है कि इसकी घोषणा बहुत जल्द होगी। महागठबंधन में सब कुछ ठीक है। गठबंधन बेहद मज़बूत है और शानदार जीत के लिए तैयार है। बात सीटों की नहीं, बल्कि जीत की है।

ममता की टिप्पणी "विफल प्रशासन" और "खोखले नेतृत्व" को दर्शाती है

दिल्ली सीएम ने छात्रा से रेप को लेकर बंगाल सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि मेडिकल छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के बाद उनकी यह सलाह है कि छात्राएं रात में घर से बाहर न निकलें, निंदनीय है और राजनीतिक पतन की पराकाष्ठा को दर्शाती है।

सीएम गुप्ता ने एक पोस्ट में कहा कि सीएम ममता बनर्जी की टिप्पणी टीएमसी सरकार के ''विफल प्रशासन'' और ''नैतिक रूप से खोखले नेतृत्व'' को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि दुष्कर्म पीड़ित छात्रा को न्याय दिलाने के बजाय बंगाल सरकार बेशर्मी से महिलाओं की स्वतंत्रता और अधिकारों पर सवाल उठा रही है।

गुप्ता ने कहा कि एक राज्य के नेता से अपेक्षा की जाती है कि वह महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान की गारंटी दे, न कि उनकी स्वतंत्रता पर अत्याचारी बैन लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता के बंगाल में सत्ता में बैठे लोगों द्वारा संरक्षित अपराधी खुलेआम घूमते हैं, जबकि न्याय की मांग करने वाले पीड़ितों की आवाज को दबाया जाता है।

बता दें शुक्रवार रात दुर्गापुर के एक निजी मेडिकल कॉलेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा के साथ परिसर के बाहर कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया, जब वह एक दोस्त के साथ रात खाना खाने गई थी।

छात्रा का फिलहाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बनर्जी ने कहा था कि वह एक निजी मेडिकल कॉलेज में पढ़ रही है। इसकी जिम्मेदारी किसकी है? वह रात के 12.30 बजे बाहर कैसे आई? हॉस्टल में रहने वाले छात्रों, खासकर जो बाहर से पश्चिम बंगाल में पढ़ाई करने आए हैं, उनसे हॉस्टल के नियमों का पालन करने की उम्मीद की जाती है। उन्हें देर रात बाहर निकलने से बचना चाहिए। इस टिप्पणी पर राजनीतिक बवाल मच गया था।

लिवेटेड कॉरिडोर सहित 2000 करोड़ की हाईवे परियोजनाओं से पुडुचेरी के विकास को लगेंगे पंख

पुडुचेरी

केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के अपने दौरे के दौरान यहां इंदिरा गांधी स्क्वायर और राजीव गांधी स्क्वायर को जोड़ने वाले 436 करोड़ रुपये की लागत वाले चार किलोमीटर लंबे 'एलिवेटेड कॉरिडोर' की आधारशिला रखी जा रही है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी 2,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत की तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि मंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग 32 के 38 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले पुडुचेरी-पूंडियनकुप्पम खंड का भी उद्घाटन करेंगे, जिसे 1,588 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। पुडुचेरी के उपराज्यपाल के कैलाशनाथन, मुख्यमंत्री एन रंगासामी, केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन, तमिलनाडु के पीडब्ल्यूडी मंत्री ई वी वेलु, पुडुचेरी के मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष आर सेल्वम इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।गडकरी इंदिरा गांधी और राजीव गांधी चौकों को जोड़ने वाले 436 करोड़ लागत के ग्रेड सेपरेटर/एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण की आधारशिला रखेंगे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (यातायात) नित्या राधाकृष्णन की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अपने आगमन के बाद, मंत्री सड़क मार्ग से कोक्कू पार्क के निकट कृषि मैदान में आयोजित होने वाले विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में भाग लेंगे।

उनके उसी दिन शाम को लौटने की उम्मीद है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के दौरे के मद्देनजर शहर की यातायात पुलिस ने सोमवार को वाहनों की आवाजाही और पार्किंग पर प्रतिबंध लगा दिया। इस दौरे के दौरान, श्री गडकरी इंदिरा गांधी और राजीव गांधी चौकों को जोड़ने वाले ₹436 करोड़ लागत के ग्रेड सेपरेटर/एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण की आधारशिला रखेंगे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (यातायात) नित्या राधाकृष्णन की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अपने आगमन के बाद, मंत्री सड़क मार्ग से कोक्कू पार्क के निकट कृषि मैदान में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में भाग लेंगे। उनके उसी दिन शाम को वापस लौटने की उम्मीद है। तदनुसार, कृषि मैदान और कोक्कू पार्क के आसपास किसी भी प्रकार के वाहनों की आवाजाही और पार्किंग पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए आवश्यकतानुसार इस क्षेत्र को वाहन-मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

समिट में हिस्सा लेने पहुंचे कतर के 3 राजनायिकों की कार हादसे में मौत

शर्म अल-शेख , एजेंसी। 2 साल की लड़ाई के बाद इजरायल और हमास के बीच शांति समझौता होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, इस सीजफायर में एक के बाद एक लगातार कई अड़चने भी आ रही हैं। हाल ही में सीजफायर समिट में हिस्सा लेने के लिए जा रहे कतर के तीन राजनयिकों की कार हादसे में दर्दनाक मौत हो गई है और 2 राजनयिक गंभीर रूप से घायल हैं। मिस्त्र के शहर शर्म अल-शेख में इजरायल और हमास का सीजफायर समिट आयोजित किया गया है। शर्म अल-शेख के रेड सी रिजॉर्ट में यह बैठक होगी। मगर, रिजॉर्ट पहुंचने से महज 50 किलोमीटर की दूरी पर कतर के अधिकारियों का काफिला अचानक पलट गया। हादसे का शिकार हुई कार में कतरी प्रोटोकॉल टीम के राजनयिक मौजूद थे, तो इजरायल और हमास के बीच होने वाली सीजफायर पर हाई लेवल बैठक के लिए मिस्त्र पहुंचे थे। कार में 5 राजनयिक सवार थे, जिनमें से 3 की मौके पर ही मौत हो गई और 2 लोग घायल हैं। बता दें कि इजरायल और हमास की सीजफायर में कई देश मध्यस्थता कर रहे हैं। इस लिस्ट में मिस्त्र, कतर, अमेरिका और तुर्किए का नाम शामिल है। इस बैठक को शर्म अल-शेख शांति सम्मेलन का नाम दिया गया है। वहीं, मिस्त्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में 20 देशों के दिग्गज नेता हिस्सा लेंगे। मिस्त्र के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस समेत दुनिया भर के 2 दर्जन से अधिक नेता इस बैठक में शामिल हो सकते हैं।

नेपाल के राष्ट्रपति पौडेल जेन जेड प्रतिनिधियों से मुलाकात से पहले अचानक अस्पताल में भर्ती

काठमांडु , एजेंसी। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को शनिवार को अचानक स्वास्थ्य समस्याएं उभरने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि उनकी हालत फिलहाल सामान्य है। राष्ट्रपति कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ने पर 80 वर्षीय पौडेल को काठमांडू के मनमोहन 'कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर ट्रांसप्लांट सेंटर (एमसीवीटीसी) में भर्ती कराया गया। अस्पताल के सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रपति ने अचानक तेज सिरदर्द और उल्टी की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें तुरंत एमसीवीटीसी ले जाया गया। उन्होंने बताया कि चिकित्सक पौडेल की स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रख रहे हैं और फिलहाल उनकी हालत सामान्य है। पौडेल को शनिवार सुबह 'जेन जेड समूह के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करनी थी, जिनमें से लगभग 20 बातचीत के लिए राष्ट्रपति कार्यालय पहुंच चुके थे। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि पौडेल की तबीयत बिगड़ने के बाद यह बैठक सोमवार तक के लिए टाल दी गई। अप्रैल 2023 में सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद पौडेल को छाती संबंधी बीमारी के इलाज के लिए हवाई मार्ग से नयी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ले जाया गया था। सूत्रों के अनुसार, बैठक में 'जेन जेड समूह के प्रतिनिधियों के राष्ट्रपति को अपनी मांगें सौंपने की संभावना थी, जिनमें पिछले महीने हुए आंदोलन के दौरान 'जेन जेड प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई और प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता वाले मंत्रिमंडल में 'जेन जेड के कुछ प्रतिनिधियों को शामिल किया जाना शामिल है। नेपाल में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया साइट पर प्रतिबंध के फैसले के खिलाफ 'जेन जेड समूह के बैनर तले हजारों युवाओं ने आठ-नौ सितंबर को काठमांडू में सरकार विरोधी प्रदर्शन किया था, जिसमें 76 लोग मारे गए थे। 'जेन जेड या 'जेनरेशन जेड से तात्पर्य उस जनसांख्यिकीय समूह से है, जिसके सदस्यों का जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ था।

मिसिसिपी में हाई स्कूल फुटबॉल मैच में गोलीबारी, 6 लोगों की दर्दनाक मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के मिसिसिपी के एक कस्बे में हाईस्कूल फुटबॉल मैच के दौरान हुई गोलीबारी में कम से कम 6 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। इसे अलावा करीब 12 लोग घायल हो गए हैं। मिसिसिपी राज्य के सीनेटर डेरिक सिमंस ने एपी को बताया कि गोलीबारी लेलैंड के डाउनटाउन इलाके में हुई, जहां लोग एक फुटबॉल मैच के बाद इकट्ठा हुए थे। लेलैंड के मेयर जॉन ली ने इस घटना की जानकारी देते हुए कहा कि यह हमला मुख्य सड़क पर हुआ है। इस हमले में पीड़ित चार लोगों को ग्रीनविल अस्पताल ले जाया गया है वहीं कुछ लोगों को राज्य की राजधानी जैक्सन के एक बड़े अस्पताल में भेजा गया है। सीनेटर ने बताया कि इस घटना की जांच काउंटी शेरिफ कर रहे हैं। वहीं, मेयर ने बीबीसी से बात करते हुए कहा कि गोलीबारी लेलैंड हाई स्कूल में नहीं हुई है।

जो बाइडेन की कैंसर से जंग: पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति करवा रहे रेडिएशन और हार्मोन थेरेपी, मई में हुई थी गंभीर बीमारी की पहचान

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन इस समय प्रोस्टेट कैंसर के इलाज से गुजर रहे हैं। उनके प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि बाइडेन की हालत के लिए रेडिएशन और हार्मोन ट्रीटमेंट चल रहा है। यह कैंसर मई 2025 में सामने आया था, जब डॉक्टरों ने जांच में पाया कि बाइडेन के प्रोस्टेट में मौजूद गांठ अब हड्डियों तक फैल चुकी है, यानी यह एडवांस स्टेज का कैंसर है।

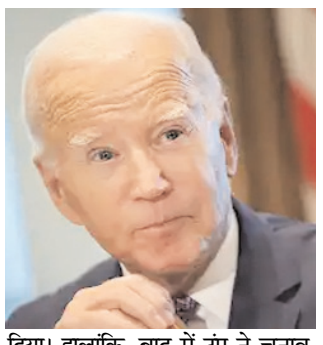

बाइडेन का बयान- कैंसर हम सबको छूता है : बाइडेन ने मई में अपनी बीमारी की जानकारी साझा करते हुए कहा था –कैंसर हम सभी को किसी न किसी रूप में प्रभावित करता है। जिल (पत्नी) और मैंने भी सीखा है कि हम अपनी सबसे कमजोर जगहों पर ही सबसे मज़बूत बनते हैं। उन्होंने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा था, आप सभी के प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। यह बाइडेन के लिए बेहद भावनात्मक वक्त था, क्योंकि उनके बेटे ब्यू बाइडेन की 2015 में कैंसर से मौत हो चुकी है।

राजनीतिक दौर में स्वास्थ्य चिंता : 82 वर्षीय जो बाइडेन की सेहत लंबे समय से अमेरिकी राजनीति में चर्चा का विषय रही है। 2024 में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ हुए राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान उनकी कमज़ोर बहस प्रदर्शन के बाद उनकी तबीयत को लेकर कई रिपोर्ट्स सामने आईं। जुलाई 2024 में बाइडेन ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली और कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद के लिए समर्थन दिया। हालांकि, बाद में ट्रंप ने चुनाव जीतकर जनवरी 2025 में अपना दूसरा कार्यकाल शुरू किया।

डॉक्टरों के मुताबिक स्थिति गंभीर लेकिन नियंत्रित : बाइडेन की टीम ने बताया कि उनका इलाज वाशिंगटन डी.सी. के एक प्राइवेट कैंसर सेंटर में चल रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, हार्मोन थेरेपी से शरीर में टेस्टोस्टेरोन का स्तर घटाया जाता है, जिससे कैंसर की गति धीमी होती है। वहीं रेडिएशन ट्यूमर को छोटा करने और दर्द कम करने में मदद करता है। हालांकि, यह कैंसर को पूरी तरह खत्म नहीं करता। प्रोस्टेट कैंसर-बुजुर्ग पुरुषों में सबसे आम अमेरिकन कैंसर सोसाइटी के मुताबिक, प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों में सबसे ज्यादा पाए जाने वाले कैंसर में से एक है। करीब 80त्न पुरुष, जिनकी उम्र 80 साल से अधिक होती है, उनके प्रोस्टेट में कैंसर कोशिकाएं पाई जाती हैं। अगर समय पर इलाज न मिले तो यह कैंसर फेफड़ों और हड्डियों तक फैल सकता है। शुरुआती चरण में पहचान हो जाए तो यह काफी हद तक ठीक हो सकता है, लेकिन उन्नत अवस्था में यह पुरुषों में कैंसर से मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण बन जाता है। बाइडेन के समर्थकों की दुआएं बाइडेन की बीमारी की खबर सामने आने के बाद दुनियाभर से नेताओं और समर्थकों ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। व्हाइट हाउस के पूर्व सहयोगियों ने कहा कि बाइडेन अब भी मजबूत इच्छाशक्ति से इस लड़ाई का सामना कर रहे हैं और बीमारी के बावजूद वे पूरी तरह सकारात्मक और मानसिक रूप से स्थिर हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के लगाए 100 प्रतिशत टैरिफ पर भड़का चीन, कहा- यह स का यह दोहरा मापदंड

बीजिंग/वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका द्वारा चीन पर अतिरिक्त 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद बीजिंग ने रविवार को वॉशिंगटन पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बिना नाम बताए कहा, अमेरिकी बयान तथाकथित दोहरे मानदंडों का एक उदाहरण है। यह प्रतिक्रिया तब आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को चीन से आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। यह कदम दोनों देशों के बीच पहले से जारी व्यापार तनाव को और बढ़ाने वाला माना जा रहा है। ट्रंप ने अपने बयान में कहा था कि यह कदम चीन द्वारा दुर्लभ पृथ्वी तत्वों पर लगाए गए नए निर्यात प्रतिबंधों के जवाब में उठाया गया है। इनका का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, स्मार्टफोन और रक्षा उपकरणों में किया जाता है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, इन कार्रवाइयों ने चीन के हितों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है और दोनों पक्षों के बीच आर्थिक एवं व्यापारिक वार्ता के माहौल को गंभीर रूप से कमजोर किया है। हर मोड़ पर उच्च शुल्क लगाने की धमकी देना चीन के साथ बातचीत का सही तरीका नहीं है। चीन की ओर से आई इस प्रतिक्रिया में कहा गया कि अमेरिका एक ओर वैश्विक व्यापार में मुक्तता की बात करता है, जबकि दूसरी ओर खुद संरक्षणवादी नीतियों को लागू करता है। उन्होंने कहा, अमेरिका अपने हितों के अनुरूप अंतरराष्ट्रीय नियमों की व्याख्या करता है और जब अन्य देश वही सिद्धांत अपनाते हैं तो उन्हें दोषी ठहराता है। अमेरिका और चीन के बीच यह नई तनातनी उस समय बढ़ी है जब दोनों देशों के शीर्ष नेता डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग आगामी एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन में मिलने वाले थे। विश्लेषकों का कहना है कि चीन की यह प्रतिक्रिया संकेत देती है कि बीजिंग भी संभावित प्रतिशोधात्मक कदम पर विचार कर सकता है, जिससे वैश्विक सप्लाई चेन और बाजारों पर असर पड़ सकता है।

पाकिस्तान में टीएलपी वालों ने काटा भारी बवाल; मुरीदके में डाला डेरा, हिंसा के बाच इस्लामाबाद जाने पर अड़े

इस्लामाबाद, एजेंसी। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान के समर्थकों ने पंजाब के शेखूपुरा में रातोंरात कैंप बना लिए हैं। ये लोग फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए राजधानी इस्लामाबाद पहुंचना चाहते हैं। इससे पहले दिन में, टीएलपी कार्यकर्ताओं के इस्लामाबाद की ओर मार्च शुरू करने के बाद पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। लाहौर में पुलिस के साथ हिंसक झड़पें हुईं और अधिकारियों ने राजधानी में सड़कों पर आवाजाही को रोक दिया।

इंटरनेट सर्विस पर भी पाबंदी लगा दी गई। टीएलपी की ओर से गाजा मार्च लाहौर में मुल्तान रोड पर पार्टी मुख्यालय से जुमे की नमाज के बाद शुरू हुआ। टीएलपी प्रमुख साद रिजवी के नेतृत्व में इस जुलूस में हजारों समर्थकों ने हिस्सा लिया, जो धार्मिक नारे लगा रहे थे। इनमें से कई के पास लाठियां, छड़ें और ईंटें थीं। पुलिस ने यतीम खाना चौक, चौबुर्जी, आजादी चौक और शाहदरा जैसे प्रमुख चौराहों पर बैरिकेड्स लगाए थे। आंसू गैस का इस्तेमाल करके रैली को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स तोड़ दिए और इस्लामाबाद की ओर बढ़ते रहे।

मेट्रो ट्रैक पर जमाया कब्जा : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ टीएलपी समर्थकों ने ऑरेंज लाइन मेट्रो ट्रैक पर कब्जा कर लिया। उन्होंने सुरक्षा बलों पर पथराव किया, जिससे कई पुलिस अधिकारी घायल हो गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में प्रदर्शनकारी लाहौर वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी और पंजाब पुलिस की क्रेन जैसे सरकारी वाहनों को अपने कब्जे में लेते नजर आ रहे हैं। लाहौर के आजादी चौक के पास झड़पें तेज हो गईं, जहां कई पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हुए और कई अधिकारी घायल हो गए। वीडियो में सुरक्षा कर्मियों को आंसू गैस छोड़ते और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोलीबारी करते देखा गया। कुछ अधिकारी सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव

काबुल, एजेंसी। एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि तालिबान नेतृत्व वाली अफगान सेना ने पाकिस्तान की कई चौकियों पर कब्जा कर लिया है जो डूरंड लाइन के पास कुनर और हेलमंद प्रांतों में स्थित हैं। अफगान टीवी चैनल के सूत्रों के मुताबिक, इन झड़पों में कम से कम 12 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं और दो घायल हुए हैं। भारी गोलाबारी बह्रमचा जिले के शकीज, बीबी जानी और सालेहान इलाकों में जारी है। यह लड़ाई पक्तिया प्रांत के आरयूब जाजी जिले तक फैल चुकी है। अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि कई पोस्ट पर कब्जा कर लिया गया है। अफगान रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, तालिबान बलों ने कुनर और हेलमंद प्रांतों में डूरंड लाइन के पार स्थित पाकिस्तानी सेना की कई चौकियों पर कब्जा कर लिया है। लड़ाई अभी भी शकीज, बीबी जानी और सालेहान क्षेत्रों में जारी है।

हवाई हमले के बाद बढ़ा तनाव : यह झड़पें उस घटना के कुछ दिन बाद हुई हैं जब पाकिस्तान ने कथित तौर पर काबुल के पास हवाई हमला किया था। अफगानिस्तान की 201 खालिद बिन वालिद आर्मी कोर ने इसे प्रतिशोध की कार्रवाई को उकसाने वाला कदम बताया था और कहा था कि इसके जवाब में पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर नंगरहार और कुनर में हमले किए गए। इस्लामाबाद ने अब तक इस कथित हवाई हमले की न तो पुष्टि की है, न ही खंडन किया है।

पाकिस्तान का जवाबी हमला : पाकिस्तानी सेना ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन सुरक्षा सूत्रों ने कम से कम पांच स्थानों पर संघर्ष की पुष्टि की है और कहा है कि उनकी सेनाएं जवाबी कार्रवाई कर रही हैं। बताया कि झड़पें अब पक्तिया के आरयूब जाज़ी जिले से आगे बढ़कर स्पिना शागा, गीवी, मनी जब्हा और आस-पास के इलाकों तक फैल चुकी हैं। अफगान रक्षा मंत्रालय का दावा है कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों और उपकरणों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है और कुनर व हेलमंद में एक-एक चौकी पूरी तरह नष्ट कर दी गई है।

रूस की जब्त संपत्ति बेचकर यूक्रेन को देंगे हथियार, यूरोपीय देशों ने जताई सहमति

पेरिस , एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव में शुक्रवार को रूस के हवाई हमले में जिन आठ लाख उपभोक्ताओं के घरों की बिजली आपूर्ति भंग हो गई थी, उसे शनिवार को सुचारु कर लिया गया। शहर में पानी और गैस की आपूर्ति भी शुरू हो गई। इस बीच रूस की जब्त की गई अरबों डालर की संपत्ति बेचकर उससे मिलने वाले धन से यूक्रेन को युद्ध के लिए हथियार देने पर यूरोपीय देश सहमत हो गए हैं। वैसे यूरोप की इस योजना पर रूस कड़ा विरोध जता चुका है।

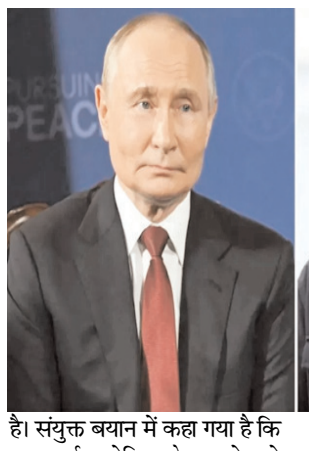

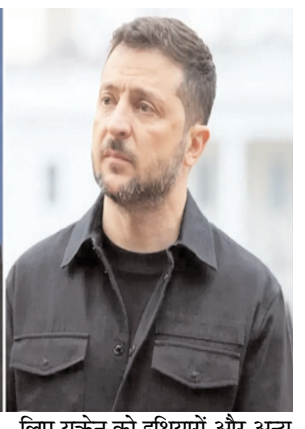

फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी ने इस बात पर जताई सहमति : फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने संयुक्त बयान में रूस की जब्त संपत्ति से यूक्रेन की सैन्य जरूरतें पूरी करने पर सहमति जताई है। संयुक्त बयान में कहा गया है कि यह कार्य अमेरिका के सहयोग से किया जाएगा। यह रूसी संपत्ति 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के दंड स्वरूप जब्त की गई थी। यूरोपीय संघ के देश यूक्रेन को दे चुके हैं 202 अरब डॉलर की सैन्य सहायता उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026-27 के लिए यूक्रेन को हथियारों और अन्य सैन्य खर्चों के लिए 153 अरब डालर की जरूरत होगी जबकि फरवरी 2022 से अभी तक के युद्ध में यूरोपीय संघ के देश यूक्रेन को 202 अरब डॉलर की सैन्य सहायता दे चुके हैं। यूक्रेन की सबसे बड़ी एनर्जी कंपनी डीटेक ने कहा है कि कीव के लगभग सभी इलाकों की बिजली आपूर्ति सुचारु हो गई है लेकिन देश के कुछ इलाके अभी भी विद्युत आपूर्ति से कटे हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि गाजा में युद्धविराम से रूस को यूक्रेन युद्ध में हो रही सहूलियत अब खत्म होगी, क्योंकि कई कारणों से विश्व का ध्यान गाजा की ओर हो गया था लेकिन अब वह ध्यान फिर से यूक्रेन पर केंद्रित होगा और रूस को उसका खामियाजा उठाना पड़ेगा। रूस के ताजा हमले में दो मरे शुक्रवार-शनिवार रात रूस ने फिर से यूक्रेनी इलाकों पर हमला किया। इन हमलों में 78 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया जिससे यूक्रेन के डोनेस्क प्रांत के कोस्तियांतिनिव्का शहर में दो लोग मारे गए और पांच घायल हुए। रूस ने यूक्रेन के छोड़े गए 42 ड्रोन आकाश में ही नष्ट करने का दावा किया है।

सावधान! इस खतरनाक बीमारी से जा रही कई लोगों की जान, 18 की मौतों से मचा हड़कंप

सेनेगल , एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश सेनेगल इन दिनों एक खतरनाक वायरल महामारी की चपेट में है। देश के उत्तरी हिस्सों में रिफ्ट वैली फीवर का बड़ा प्रकोप फैल गया है जिससे अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 100 से अधिक लोग संक्रमित पाए गए हैं। सेनेगल के स्वास्थ्य मंत्रालय के निगरानी प्रमुख डॉ. बोली डियोप ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में मरीज पहली बार दर्ज किए गए हैं।

रिफ्ट वैली फीवर एक जूनोटिक बीमारी है जिसका अर्थ है कि यह जानवरों से इंसानों में फैलती है। यह मुख्य रूप से भेड़, बकरी और गाय जैसे पालतू पशुओं को प्रभावित करती है। इस वायरस की पहचान पहली बार 1931 में केन्या की रिफ्ट वैली में हुई थी। तब से यह अफ्रीका और कभी-कभी मध्य-पूर्व तक भी फैल चुकी है। RVF का फैलाव अक्सर भारी बारिश या बाढ़ के बाद होता है, क्योंकि इससे मच्छरों की संख्या तेज़ी से बढ़ती है। एडीज और क्यूलेक्स प्रजाति के मच्छर इस वायरस के मुख्य वाहक हैं। इंसानों में यह संक्रमण संक्रमित पशुओं के खून या अंगों के संपर्क में आने से भी फैल सकता है खासकर जब बीमार जानवर को काटा जाता है या उसका मांस तैयार किया जाता है।

जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द, थकान, दिमाग में सूजन : उल्टी या मतली, हैमरेजिक फीवर, आंतरिक रक्तस्राव, लिवर को नुकसान और 50त्न तक मौत की संभावना। आमतौर पर मरीज एक हफ्ते में ठीक हो जाते हैं। गंभीर मामलों में मृत्यु अक्सर तीन से छह दिनों के भीतर हो जाती है।

क्यों बढ़ रहा है प्रकोप : विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन और अत्यधिक बारिश इस प्रकोप के पीछे अहम कारण हैं। सेनेगल के उत्तरी हिस्सों में असामान्य बारिश और बाढ़ आई जिससे मच्छरों के प्रजनन में तेज़ी आई और वायरस तेजी से फैला। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अफ्रीकी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल इस प्रकोप पर नज़र रखे हुए हैं और स्थानीय प्रशासन को तकनीकी सहायता दे रहे हैं।

बचाव के प्रभावी तरीके : इस बीमारी से बचने के लिए सावधानी और रोकथाम सबसे प्रभावी है। ग्रामीण क्षेत्रों और पशुपालन करने वाले लोगों को मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए और पानी का ठहराव रोकना चाहिए। संक्रमित या बीमार जानवरों के संपर्क से बचना चाहिए। बीमार जानवरों को काटते समय या उनका मांस तैयार करते समय दस्ताने पहनना और सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है।

बांग्लादेश की सेना ने अधिकारियों को हिरासत में लिया, शेख हसीना समेत 30 आरोपितों के खिलाफ किए गए थे वारंट जारी

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की सेना ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराधों में कथित संलिप्तता के मामलों में सेवारत और सेवानिवृत्त 15 सैन्य अधिकारियों को हिरासत में लिया है। हसीना को अगस्त, 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के बाद सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। बहरहाल, सेना की यह कार्रवाई बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) द्वारा 30 आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने के तीन दिन बाद हुई है। न्यायाधिकरण हसीना सरकार और उनकी अब प्रतिबंधित अवामी लीग पार्टी से जुड़े पूर्व वरिष्ठ नेताओं पर मुकदमा चला रहा है।

हिरासत में लिए गए सैन्य अधिकारी : मेजर जनरल मोहम्मद हकीमुज्जमां ने कहा कि मानवता के विरुद्ध अपराधों के आरोपित 15 पूर्व और वर्तमान सैन्य अधिकारियों को हिरासत में ले लिया गया है। सेना वर्तमान कानूनी प्रक्रिया का पूरा समर्थन करेगी। इससे पहले, आठ अक्टूबर को अंतराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने अवामी लीग शासन के दौरान जबरन गुमशुदगी के जरिए मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों से संबंधित दो अलग-अलग मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना समेत 30 आरोपितों के खिलाफ वारंट जारी किए थे।

न्यायाधिकरण ने क्या दिया आदेश : न्यायाधिकरण ने आदेश दिया कि आरोपितों को 22 अक्टूबर तक गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया जाए। न्यायमूर्ति मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मजूमदार की अध्यक्षता वाले न्यायाधिकरण की तीन सदस्यीय पीठ ने बुधवार को यह आदेश पारित किया। हसीना के अलावा, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान, पूर्व प्रधानमंत्री के रक्षा सलाहकार रहे सेवानिवृत्त मेजर जनरल तारिक अहमद सिद्दीकी और पूर्व पुलिस प्रमुख बेनजीर अहमद के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे। शेष अभियुक्तों में से 27 पूर्व या सेवारत सैन्य अधिकारी हैं।

मेक्सिको में बारिश से त्राहिमाम, बाढ़ से 41 की मौत; तेज बहाव में कई लापता

मेक्सिको , एजेंसी। मेक्सिको में भारी बारिश के कारण बाढ़ का कहर टूट पड़ा है। मेक्सिको की गलियों में 12 फीट तक पानी भर गया है। बाढ़ से कई शहरों में हाहाकार मच गया है। इस आपदा में कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग लापता हैं। मेक्सिको के पॉज रिका में कैजोन्स नदी पूरे उफान पर है। नदी का पानी शहरों में घुस गया। पानी का बहाव इतनी तेज था कि कई कारें इसमें बह गईं और इमारतें धराशायी हो गईं। शनिवार को नदी का बहाव कम होने के बाद गलियों से पानी तो हट गया, लेकिन बाढ़ से हुई तबाही का मंजर अब भी देखा जा सकता है। कारें पेड़ों पर लटकी नजर आ रही हैं। वहीं एक पिकअप ट्रक के अंदर घोड़े का शव मिला है।

41 लोगों की मौत : भारी बारिश और बाढ़ के कारण मेक्सिको के कई इलाकों में मौत का आंकड़ा भी लगातार बढ़ रहा है। केंद्रीय और दक्षिणी मेक्सिको में 41 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। वहीं, कई लोग अभी तक लापता हैं। सड़कें पूरी तरह मलबे से पट गई हैं, जिन्हें साफ किया जा रहा है।

भारी बारिश से बाढ़ और भूस्खलन : बता दें कि 6-9 अक्टूबर तक मेक्सिको में बारिश ने भारी तबाही मचाई। इसका सबसे भयानक असर तेल के लिए मशहूर पॉज रिका शहर में देखा गया। मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी से महज 275 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पॉज रिका में पानी का तेज बहाव कई लोगों को अपने साथ बहा ले गया, जिनकी तलाश अभी भी जारी है। मेक्सिको नेशनल कॉर्डिनेशन ऑफ सिविल प्रोटेक्शन की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को हिदालगो में 16 लोगों की मौत हो कई। 150 से ज्यादा इलाकों से संपर्क टूट चुका है। वहीं, प्यूब्ला में 9 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और 16,000 से ज्यादा घर मलबे में तब्दील हो चुके हैं। मेक्सिको के वेराक्रूज राज्य में 15 लोगों की जान चली गई और भूस्खलन की वजह से 42 इलाकों से संपर्क टूट चुका है। बचाव दल गुमशुदा लोगों की तलाश कर रहा है। यहां लगभग 27 लोग लापता हैं, जिनका अभी तक कोई पता नहीं चल सका है।

अमेरिका के टेनेसी में विस्फोट के बाद संयंत्र में कोई भी नहीं बचा जिंदा: शेरिफ : वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के टेनेसी राज्य में एक गोला-बारूद संयंत्र में भीषण विस्फोट हुआ, जिससे संयंत्र पूरी तरह से नष्ट हो गया। हम्फ्रीज काउंटी के शेरिफ के अनुसार, विस्फोट के बाद कोई भी जीवित नहीं बचा है। विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है, और अधिकारियों ने स्पष्टता आने में समय लगने की बात कही है। विस्फोट का मलबा दूर-दूर तक फैल गया। डिजिटल डेस्क, नई दिल्ली। अमेरिका के टेनेसी के गोला-बारूद संयंत्र में शुक्रवार तड़के हुए शक्तिशाली विस्फोट में संयंत्र ध्वस्त हो गया तथा इसका प्रभाव मीलों तक महसूस किया गया। एपी ने हम्फ्रीज काउंटी शेरिफ क्रिस डेविस के हवाले से शनिवार को बताया कि इस विस्फोट में बाद संयंत्र में कोई भी जीवित नहीं बचा। अधिकारियों ने कहा कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि विस्फोट का कारण क्या था। टेनेसी के हम्फ्रीज काउंटी के शेरिफ क्रिस डेविस ने कहा कि सब खत्म हो गया है। अधिकारी इस धारणा के अनुसार काम कर रहे हैं कि घटनास्थल पर मौजूद सभी लोग मर चुके हैं। मरने वालों की कुल संख्या और विस्फोट का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। जांचकर्ता विस्फोट के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने आगाह किया है कि घटना के बारे में स्पष्टता हासिल करने में समय लगेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूचना का अधिकार—नागरिक की सबसे बड़ी ताक़त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूचना का अधिकार (RTI) — यानी अपने ही सिस्टम से जवाब माँगने का संवैधानिक अधिकार। यह वही अधिकार है जो एक आम नागरिक को सरकार की कार्यप्रणाली पर प्रश्न पूछने और जवाब पाने का कानूनी हक़ देता है।

आज जब भ्रष्टाचार, प्रशासनिक ढिलाई और पारदर्शिता की कमी को लेकर देशभर में चिंता व्यक्त की जा रही है, ऐसे समय में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 लोकतंत्र की सबसे सशक्त धारा बनकर उभरा है।

RTI क्या है और क्यों जरूरी है?

RTI वह हथियार है जिससे नागरिक यह जान सकते हैं कि सरकारी विभागों में निर्णय कैसे लिए जाते हैं, योजनाओं में धन कहाँ खर्च होता है, और क्यों आम जनता तक उसका लाभ नहीं पहुँच पाता। RTI के माध्यम से आप किसी भी सरकारी विभाग, पंचायत, नगर निकाय या सरकारी नियंत्रण में आने वाले निकाय से सूचना मांग सकते हैं।

कौन देगा सूचना?

हर विभाग में जन सूचना अधिकारी (क्ह्ह) नियुक्त होता है, जो सूचना देने के लिए जिम्मेदार है। अगर विभाग में नियुक्त नहीं किया गया है, तो संबंधित अधिकारी के नाम आवेदन भेजकर आप यह सूचना आयोग तक पहुँचा सकते हैं।

सूचना देने की समयसीमा

कानून कहता है कि —

PIO को आवेदन मिलने के 30 दिनों के भीतर सूचना देनी होती है।

यदि सूचना किसी व्यक्ति के जीवन और स्वतंत्रता से जुड़ी हो तो उसे 48 घंटे में उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

सहायक जन सूचना अधिकारी के पास आवेदन देने पर यह अवधि 35 दिन होती है।

शुल्क कितना लगता है?

आवेदन शुल्क — 10 RS.

प्रति पृष्ठ शुल्क —2 RS

पहले एक घंटे की जांच — निःशुल्क, उसके बाद 5 RS प्रति घंटा।

शुल्क डिमांड ड्राफ्ट, पोस्टल ऑर्डर या नकद जमा द्वारा जमा कराया जा सकता है।

आवेदन कैसे दें?

आप आवेदन व्यक्तिगत रूप से, डाक से या ऑनलाइन rti.gov.in के माध्यम से कर सकते हैं। केंद्र सरकार के लिए देशभर में 629 डाकघरों को RTI काउंटर के रूप में अधिकृत किया गया है।

कब सूचना नहीं मिलेगी?

कुछ सूचनाएं कानून की धारा 8 के तहत गोपनीय रखी गई हैं — जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेशी संबंध, वैज्ञानिक या रणनीतिक जानकारी, न्यायालय में विचाराधीन मामले आदि। फिर भी, यदि मामला भ्रष्टाचार या मानवाधिकार उल्लंघन से जुड़ा है, तो इन विभागों को भी सूचना देनी होती है।

अपील और दंड का प्रावधान

यदि सूचना नहीं दी जाती या गलत दी जाती है —

पहली अपील विभाग के प्रथम अपील अधिकारी के पास की जाती है।

असंतुष्ट होने पर दूसरी अपील राज्य या केंद्रीय सूचना आयोग में की जा सकती है।

सूचना न देने पर अधिकारी पर 250 RS प्रतिदिन या अधिकतम 25,000 RS तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

RTI क्यों काम करता है?

यह कानून इसलिए सफल है क्योंकि यह पहली बार अधिकारियों पर सीधी जवाबदेही तय करता है। जो अधिकारी सूचना छिपाता है, उस पर आर्थिक दंड होता है — जो सीधे उसकी वेतन से काटा जाता है। यही वजह है कि देशभर में हजारों मामलों में सरकारी पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है।

सुरक्षा और जागरूकता

कभी-कभी RTI कार्यकर्ताओं को विरोध का सामना भी करना पड़ता है, खासकर जब बड़ी गड़बड़ी उजागर होती है। इसलिए यह आवश्यक है कि सूचना मांगने के अभियान संगठित रूप में चलें। यदि एक विषय पर 10–15 लोग अलग-अलग स्थानों से एक साथ आवेदन करें, तो किसी को नुकसान पहुंचाना कठिन हो जाता है।

RTI और लोकतंत्र

यह कानून केवल सूचना मांगने का नहीं बल्कि लोकतंत्र में जनता की भागीदारी का प्रतीक है। नागरिक अब यह जान सकते हैं कि उनका टैक्स कहां खर्च हो रहा है, योजनाएं कैसे लागू हो रही हैं और जिम्मेदारी किसकी है।

निष्कर्ष

RTI केवल एक कागज़ी प्रक्रिया नहीं — यह जनशक्ति का प्रतीक है। यह हमें याद दिलाता है कि सरकार जनता की है और जनता को जवाब देना उसका कर्तव्य।

जब जनता प्रश्न पूछना शुरू करती है, तो जवाबदेही अपने आप जन्म लेती है।

"सूचना का अधिकार — अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला नागरिक अधिकार है।"

महावीर पारीक
सीईओ एवं फाउंडर, लीगल अम्बिट
(राष्ट्रीय विधिक एवं मानवाधिकार संगठन)
www.legalambit.org

थानाधिकारी प्रागपुरा का जवाब आयोग ने किया खारिज

45 दिन की समयसीमा पार होने पर जयपुर तृतीय उपभोक्ता आयोग का सख्त आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जयपुर,जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, जयपुर तृतीय ने एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए थानाधिकारी प्रागपुरा पावटा द्वारा प्रस्तुत जवाब को रिकॉर्ड पर लेने से इंकार कर दिया है।

यह मामला परिवाद संख्या CC/159/2025, राव धनबीर सिंह बनाम थानाधिकारी प्रागपुरा पावटा से संबंधित है। परिवादी श्री राव धनबीर सिंह ने यह परिवाद 12 मई 2025 को दायर किया था। आयोग द्वारा जारी नोटिस 31 जुलाई 2025 को विपक्षी को प्राप्त हो चुका था।

फिर भी विपक्षी ने 25 सितम्बर 2025 को उत्तर प्रस्तुत किया, जो कि कानूनी रूप से निर्धारित 45 दिनों की समयसीमा से स्पष्ट रूप से बाहर था।

आयोग ने अपने आदेश में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय (New India Assurance Co. Ltd. बनाम Hilli Multipurpose Cold Storage Pvt. Ltd सिविल अपील सं. 10941-10942/2013, निर्णय दिनांक 4 मार्च 2020) का हवाला देते हुए कहा कि "नोटिस प्राप्ति के 45 दिवस से अधिक विलंबित उत्तर स्वीकार्य नहीं है। आयोग की कार्यवाही को अनावश्यक रूप से विलंबित करने का कोई अवसर नहीं दिया जा सकता।"

इस आधार पर आयोग ने विपक्षी का उत्तर "डी-पार्ट" में रखने के निर्देश देते हुए कहा कि यह रिकॉर्ड पर नहीं लिया जाएगा। परिवादी की ओर से शपथ-पत्र साक्ष्य आज प्रस्तुत किया गया, जिस पर आगे सुनवाई 17 नवम्बर 2025 को निर्धारित की गई है।

यह आदेश जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, जयपुर तृतीय के माननीय अध्यक्ष एवं सदस्यगणों की पीठ द्वारा पारित किया गया।

सूचना अधिकार से हुआ बड़ा खुलासा

लाडनूँ पंचायत समिति की विकास अधिकारी कुमुद सोलंकी पर फर्जीवाड़े के आरोप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

लाडनूँ। पंचायत समिति लाडनूँ की विकास अधिकारी कुमुद सोलंकी पर गंभीर फर्जीवाड़े और सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग के आरोप लगे हैं। यह खुलासा लीगल अम्बिट के सीईओ एवं फाउंडर महावीर पारीक द्वारा लगाई गई सूचना के अधिकार (RTI) से हुआ।

विकास अधिकारी के पत्र क्रमांक 787 दिनांक 10 जून 2025 में दी गई जानकारी के आधार पर वाहन RJ 37 UA 1650 की प्रमाणित लॉगबुक प्रतियों की जांच की गई।

जांच में पाया गया कि कई यात्राओं में दूरी वास्तविकता से कहीं अधिक दर्ज की गई है।

RTI से उजागर हुए फर्जी आंकड़े

1. 4 नवम्बर 2024

यात्रा: लाडनूँ - जसवंतगढ़ - कसूम्बी - अलीपुर - तंवरा - रायधना - लाडनूँ
लॉगबुक दूरी: 90 KM
वास्तविक दूरी (गूगल मैप से): 66 KM
अंतर: 24 KM फर्जी बढ़ाए गए

इन सभी रूट की दूरी गूगल मैप से सत्यापित की गई है, जिसकी प्रमाणित प्रतियां भी सलंग्न की गई हैं। इससे स्पष्ट है कि लॉगबुक में जानबूझकर गलत आंकड़े भरकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है।

महावीर पारीक, सीईओ एवं फाउंडर - लीगल अम्बिट का बयान

2. 6 नवम्बर 2024

यात्रा:लाडनूँ-भरनावा -लाडनूँ
लॉगबुक दूरी: 92 KM
वास्तविक दूरी (गूगल मैप से) : 50 KM (25+25 KM)
अंतर: 42 KM की गड़बड़ी
[संलग्न गूगल मैप स्क्रीनशॉट]

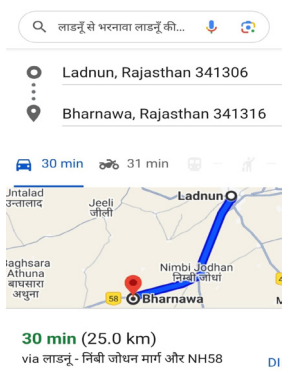

3. 7 नवम्बर 2024

यात्रा: लाडनूँ -निम्बी जोधा - लाडनूँ
लॉगबुक दूरी: 47 KM
वास्तविक दूरी (गूगल मैप से): 28.2 KM (14.1+14.1 KM)
अंतर: 18.6 KM का फर्जीवाड़ा
[संलग्न गूगल मैप स्क्रीनशॉट]

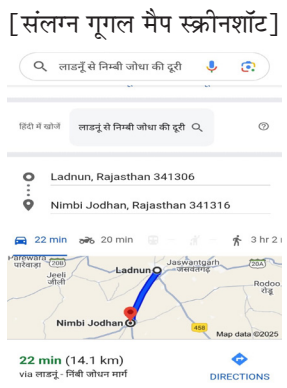

4. लाडनूँ से रायधना (उदाहरण प्रमाण)

वास्तविक दूरी (गूगल मैप से)= 33 KM एक तरफ
[संलग्न गूगल मैप स्क्रीनशॉट]

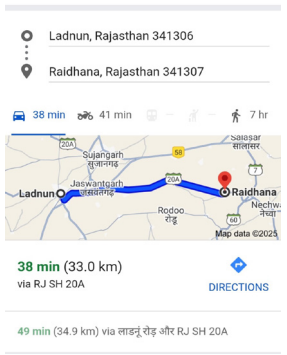

"यह केवल यात्रा विवरण में गलती नहीं है, बल्कि सरकार के साथ किया गया स्पष्ट भ्रष्टाचार और जालसाजी है। हमारे पास गूगल मैप की प्रमाणित प्रति है जो वास्तविक दूरी को दर्शाती है। प्रशासन को चाहिए कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई करे।"

अब देखना होगा कि जिला प्रशासन और राज्य सरकार इस भ्रष्टाचार के गंभीर मामले में कब और कैसी कार्रवाई करती है।

अवैध सूदखोरी पर लीगल अम्बिट की विधिक पहल

प्रशासन ने मांगी गई जानकारी पर दिया जवाब 'सूचना शून्य'

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजगढ़,(मध्यप्रदेश) जिले में अवैध साहूकारी और ब्याजखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति पर नियंत्रण हेतु लीगल अम्बिट के मध्यप्रदेश प्रदेशाध्यक्ष श्री जयपाल सिंह खींची द्वारा एक महत्वपूर्ण विधिक कार्रवाई की गई है। उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 6(1) के अंतर्गत जिला कलेक्टर, राजगढ़ (ब्यावरा) को आवेदन प्रस्तुत कर मध्यप्रदेश मनी लेंडर्स एक्ट, 1934 के अंतर्गत विस्तृत जानकारी मांगी।

आवेदन में श्री खींची ने जिले में वैध लाइसेंसधारी साहूकारों की सूची, रद्द/नवीनीकृत लाइसेंसों का ब्यौरा, अवैध सूदखोरी के प्रकरणों, न्यायालयीन आदेशों, जब्त संपत्तियों, तथा सरकार द्वारा निर्धारित ब्याज दरों सहित कुल 10 बिंदुओं पर अभिलेखीय सूचना मांगी थी।

आवेदन के परीक्षण उपरांत जिला कलेक्टर राजगढ़ ने इसे तहसील स्तर से संबंधित मानते हुए अधिनियम की धारा 6(3) के तहत तहसीलदार एवं लोक सूचना अधिकारी, तहसील सुठालिया को अग्रेषित किया। तत्पश्चात तहसीलदार सुठालिया ने इस आवेदन को नगर परिषद

सुठालिया के पास आवश्यक जानकारी हेतु प्रेषित किया।

नगर परिषद सुठालिया ने अपने आधिकारिक उत्तर में स्पष्ट किया कि —

> **"नगर परिषद अभिलेखों के अनुसार, परिषद क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को मध्यप्रदेश मनी लेंडर्स एक्ट, 1934 के अंतर्गत साहूकारी हेतु कोई वैध लाइसेंस जारी नहीं किया गया है। अतः मांगी गई सूचना 'शून्य' है।"**

इस उत्तर के उपरांत लीगल अम्बिट के प्रदेशाध्यक्ष श्री जयपाल सिंह खींची ने कहा कि —

> "यदि परिषद क्षेत्र में किसी को भी लाइसेंस जारी नहीं है, तो यह स्वतः इंगित करता है कि यदि सूदखोरी चल रही है, तो वह पूर्णतः अवैध रूप में संचालित हो रही है। अतः जिला प्रशासन को मनी लेंडर्स एक्ट की धारा 3, 4 एवं 5 के तहत तत्काल जांच कर कार्यवाही करनी चाहिए।"

श्री खींची ने यह भी स्पष्ट किया कि लीगल अम्बिट इस प्रकरण को अब वित्त विभाग के संज्ञान में प्रस्तुत करेगा, ताकि जिले सहित राज्यभर में अवैध साहूकारी की गतिविधियों पर कठोर प्रशासनिक नियंत्रण स्थापित किया जा सके।

विधिक विशेषज्ञों के अनुसार, यह प्रकरण न केवल वित्तीय पारदर्शिता एवं प्रशासनिक जवाबदेही को सुदृढ़ करेगा, बल्कि नागरिकों को अवैध ब्याजखोरी जैसी गतिविधियों से संरक्षण दिलाने की दिशा में एक नजीर बन सकता है।

(लीगल अम्बिट नेटवर्क — विधिक एवं उपभोक्ता अधिकारों की अग्रणी संस्था)

रिपोर्ट- विधिक संवाददाता,